राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2015-2016

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा

2015-16

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन
2015-16

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

खुद वो बदलाव बनिए जो दुनिया में आप देखना चाहते हैं।

– महात्मा गांधी

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

अध्यक्ष की कलम से — *v*
निदेशक की कलम से — *ix*
राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार — *x*
1. परिचय — 1
2. हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण — 2
3. उद्देश्य — 3
4. राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका — 4
5. सदस्यता संख्या 2015-16 — 5
6. गतिविधियाँ - एक नज़र में — 7
7. राष्ट्रीय बाल संग्रहालय — 18
8. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र — 19
9. हमारे कार्यक्रम — 20
10. विशेष उपलब्धियाँ — 24
11. विस्तृत रिपोर्ट — 26
12. राजभाषा कार्यान्वयन — 35
13. जवाहर बाल भवन, माण्डी — 36
14. दिल्ली में बाल भवन केन्द्र — 38
15. बाल भवन केन्द्र के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला — 41
16. राज्य बाल भवन एवं बाल केन्द्रों की निरीक्षण रिपोर्ट — 42
17. राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को दी गई सहायता — 43
18. देश भर में बाल भवनों और बाल केन्द्रों की संख्या एवं अवस्थिति दर्शाने वाला मानचित्र — 44
19. संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्टें — 45
20. भारत में संबंद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची — 55
21. 31.03.2016 को राष्ट्रीय बाल भवन के कार्मिकों की सूची — 67

भाग ख – वार्षिक लेखा

I.	लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	73
II.	राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र	
	1. तुलनपत्र	74
	2. आय तथा व्यय खाता	75
	3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता	76
III.	अनुसूचियाँ	
	4. अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि	77
	5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि	78
	6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	79
	7. अनुसूची-4 – अचल परिसंत्तियां	80
	8. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश	81
	9. अनुसूची-6 – निवेश अन्य	81
	10. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया	82
	11. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा	83
	12. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां	84
	13. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)	85
	14. अनुसूची-11 – निवेश से आय	86
	15. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज	86
	16. अनुसूची-13 – अन्य आय	87
	17. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय	88
	18. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	89
	19. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ	90
	20. अनुसूची-16 – शैक्षिक आय	91
	21. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	92
	22. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय	93
	23. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण	94
	24. अनुसूची-20 – वित्त लागत	95
	25. अनुसूची-21 – अन्य व्यय	95
	26. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय	96
IV.	भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.	
	27. तुलनपत्र	97
	28. आय एवं व्यय खाता	98
	29. प्राप्ति एवं अदायगी खाता	99
V.	नई पेंशन योजना	
	30. तुलनपत्र	100
	31. आय एवं व्यय खाता	101
	32. प्राप्ति एवं अदायगी खाता	102
VI.	लेखन नीतियाँ एवं लेखा नोट्स	
	33. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	103
	34. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स	105

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VII.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट	109
VIII.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक	112

अध्यक्ष की कलम से

जब हम किसी वर्ष पर दृष्टिपात करते हैं तो अनेक महत्त्वपूर्ण घटनायें एवं थीम इसे परिभाषित करती हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के मामले में वर्ष 2015-16 में अनेक नई पहल सतत जारी रही है और संरचनागत प्रयास तथा नई प्रौद्योगिकियों द्वारा आसन्न नए अवसरों की सम्भावनाओं और चुनौतियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। वास्तव में राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों की गूंज के मध्य एक "सम्भावनाओं का अद्‌भुत संसार है", जो अन्यत्र सुलभ नहीं होता और ऐसे स्थान पर मौजूदगी आपको धन्य बना देती है।

ऐसी संस्था की अध्यक्षता करते हुए मैं गौरवान्वित महसूस करती हूँ, जो मेरे अस्तित्व की अनुभूति को रूपान्तरित करते हैं और बच्चों के क्रियाकलापों की सम्भावनाओं के रूप में इस रचना संसार पर दृष्टि डालने में सहायक बनती है, जहाँ कोई सीमायें नहीं... बड़े सपने हैं और इन सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करना है। हमारे संस्थापक श्री जवाहर लाल नेहरू का अति सुन्दर कथन है -"हम एक अद्‌भुत संसार में रहते हैं जो सौन्दर्य, लावण्य एवं साहस से भरा पड़ा है, साहस की कोई सीमा नहीं होती और हम इसे हासिल कर सकते हैं, बशर्ते हम अपनी आँखें खुली रखें।"

नि:सन्देह हमारे समस्त प्रयासों में राष्ट्रीय बाल भवन की टीम ने कड़ी मेहनत की है और उन्होंने बच्चों को हमारे दृष्टिकोण वक्तव्य के अनुरूप ढ़ालने में सहायता की है जैसे कि "हमारा प्रत्येक बालक पूर्णत: सहभागिता करते हुए, एक सृजनात्मक, मानवीय, नवोन्मेशी एवं अपने अद्‌भुत कौशल से इस आनन्दमयी संसार में प्रयास करके योगदान दें एवं कला से परिपूर्ण स्वप्न संजोते हुए बड़े सपने देखे और उन्हें साकार करे" और मिशन वक्तव्य "जैसे कि ऐसे अवसरों का निर्माण करना जो दृश्य कलाओं, वैज्ञानिक गतिविधियों एवं शारीरिक क्रियाकलापों आदि द्वारा उत्कर्षपूर्ण अनुभवों को जगाये तथा सम्भावनाओं को विकसित करने का अवसर प्रदान करे। विश्व के जिम्मेदार नागरिक के अनुरूप मानव मूल्यों का निर्माण कर बच्चों में आत्म-विश्वास, एवं सभ्यक् दृष्टिकोण को विकसित कर सके।"

राष्ट्रीय बाल भवन ने अब तक दूर-सुदूर अपनी साहसिक यात्रा परिपूर्ण की है और हमारी अद्वितीय शाखा जवाहर बाल भवन, माण्डी ने माण्डी गाँव के बच्चों को सर्वोत्तम सुविधायें देने का लक्ष्य पूरा किया है और हमारी नई संकाय के साथ-साथ टीम के सतत प्रयास से योजनायें फलीभूत भी हुई हैं। सदस्यों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि एवं गतिविधियों के पुर्नरूद्धार पर ध्यान दिया गया है। विशेषकर, बालिका सदस्यों की संख्या में वृद्धि एक सुखद पहलू है जो सामान्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में प्राय: मुश्किल होता है। "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" के अनुरूप हमारी गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया गया है तथा माण्डी में स्वैच्छिक योजनाओं में भी हमें सफलता मिली है, जहाँ बाल भवन आन्दोलन के प्रतिभाशाली वरिष्ठ सदस्यों ने अपनी अद्वितीय कार्यशालाओं, स्मृति-उपहार निर्माण एवं थिएटर आदि के माध्यम से योगदान दिया है। आज राष्ट्रीय बाल भवन एवं जवाहर बाल भवन के अलावा 119 राज्य बाल भवन एवं 15 राज्य बाल केन्द्र एवं 48 दिल्ली बाल केन्द्र कार्यरत हैं जो बाल भवन आन्दोलन के व्यापक प्रसार को सुनिश्चित कर रहे हैं। विज्ञान शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, सृजनात्मक कला, मिली-जुली कला, प्रदर्शन कला, संग्रहालय तकनीक एवं क्लब, पुस्तकालय विज्ञान, कम्प्यूटर गतिविधियाँ, कैसे और क्यों क्लब, अन्वेषक क्लब, मशीन मॉडलिंग, एअरो मॉडलिंग, अंतरिक्ष विज्ञान इत्यादि

राष्ट्रीय बाल भवन के 15+ कुछ ऐसे गतिविधि अनुभाग हैं, जो प्रत्येक सदस्य बच्चे के व्यक्तित्व को सम्पूर्णता प्रदान करने में सतत योगदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षण अनुसंधान केन्द्र प्रभाग युवा अध्यापकों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक प्रमुख उपलब्धि है। बाल भवन की टॉय ट्रेन को काफी लोकप्रियता प्राप्त हुई है, जब गत वर्ष इसे भारत दर्शन परिक्रमा के रूप में अलंकरित किया गया जिसके अधीन बाल भवन की सीमा पर निर्मित दीवारों पर देश के विभिन्न राज्यों की सुन्दर कलात्मक पेंटिंग की गई। ट्रेन पर सवार प्रत्येक यात्री इसे एक लघु भारत की यात्रा महसूस करता है, जिसमें भारत की विविध सांस्कृतिक एंव परम्पराओं की झलकियां देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, सूर्य गैलरी, गौरव–गाथा, हमारा भारत प्रत्येक वर्ष सतत बढ़ते आगन्तुकों के लिए आकर्षण बनाए हुए हैं। हमने अनेकानेक बच्चों के जीवन का संस्पर्श कर वास्तव में एक लम्बी दूरी तय की है और हम प्रत्येक वर्ष इसमें कुछ नया जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं।

पिछले वर्ष शुरू की गई पहल के अनुरूप, इस वर्ष भी हमने अपने कार्यक्रमों को नवोन्मेषी बनाया है और हमने सभी विषयों और बड़े स्वप्न देखना और कड़ा परिश्रम करने की संकल्पना को जारी रखा है। हमारा उद्देश्य डा. ए. पी.जे. कलाम के कथनानुसार "सम्पूर्ण विश्व हमारे लिए मैत्रीपूर्ण है और यह तभी सम्भव है कि हम उन्हें सर्वोत्तम दें, जो स्वप्न दृष्टा हैं और काम करते हैं।" इस वर्ष की शुरूआत आमोद दिवस के सुन्दर आयोजन से हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन परिवार के बच्चों तथा वयस्कों को आगामी वर्ष के लिए सृजनात्मक गतिविधियों की परम्परा, पुर्नजीवित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ग्रीष्मोत्सव के दौरान अनेक अद्वितीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। लर्निंग लिंक द्वारा बच्चों के लिए स्पेशल मीडिया और साईबर स्पेस के अनुप्रयोगों पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। पर्यावरण दिवस का आयोजन पूरे उत्साह के साथ किया गया। भारतीय बाल चित्र समिति के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव का भी आयोजन किया गया। ग्रीष्म उत्सव में भाग लेने वाले सदस्य बच्चों को प्रत्येक दिन बस की सुविधा तथा अल्पाहार प्रदान किया गया ताकि अधिकाधिक बच्चे ग्रीष्मोत्सव में भाग ले सकें। हमने बच्चों के साथ कला के क्षेत्र के दिग्गजों की परस्पर वार्त्ता के एक नए मंच की शुरूआत भी हुई जिसमें पंडिता अनुराधा पाल की सहायता से ऊर्जा उत्सव के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की गई। ऊर्जा उत्सव में विख्यात संगीत कलाकारों द्वारा ग्रीष्मोत्सव के दौरान बच्चों के सम्मुख व्याख्यान एवं कला प्रदर्शन का आयोजन किया गया। तदुपरान्त, वार्षिक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर के दौरान हम पद्मश्री शोवना नारायण, पद्मश्री दर्शना झवेरी, पद्मश्री माधवी मुद्गल, श्री शशाधर आचार्य, श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद जैसे कलाकारों की कलाओं से रूबरू हुए जिन्होंने बच्चों के सम्मुख व्याख्यान एवं अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसे बच्चों ने वर्ष की सर्वाधिक प्रशंसनीय गतिविधि के रूप में सराहा। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमने राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण के लिए एक अद्वितीय थीम "मेरा गाँव–मेरा गौरव" निधारित किया। यह थीम हमारे मानवीय प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप था और इस थीम के इर्द–गिर्द प्रदर्शित अद्वितीय गतिविधियाँ यथा खादी बुनना, पतंग निर्माण, कठपुतली बनाना आदि, हमारे महान गौरव एवं हमारे पूर्वजों के गाँवों एवं उनकी परम्परा से बच्चों को अवगत कराना तथा राज्य के नृत्यों का प्रदर्शन नयनाभिराम रहा। कार्यक्रमों में अनेक नूतन प्रयोगों का समावेश किया गया जिसमें बच्चों को कृषि अनुसंधान परिषद सरीखी संस्थान में अध्ययन एवं प्रेरणा पाने का अवसर प्राप्त हुआ। अनेक वर्षों के पश्चात् हम इस वर्ष बच्चों की अन्तर्राष्ट्रीय सहभागिता को पुनः सुनिश्चित करने में कामयाब रहे, जिसके तहत शिविर के दौरान अफगानिस्तान से आए बच्चों ने सहभागिता की ओर अपनी संस्कृति का प्रदर्शन किया। सरकारी स्कूलों के लिए एक 3 दिवसीय कार्यक्रम इस वर्ष की एक अद्वितीय पहल रहीं, जिसके तहत भारी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। राष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र में इस वर्ष प्रशिक्षित, उत्तरांचल सरकार के स्कूलों से आए अध्यापकों के समूहों ने प्रशिक्षण को भरपूर सराहा। इस सन्दर्भ में मुझे यह उल्लेख करना है कि उत्तरांखण्ड के राज्य शिक्षा मंत्री श्री एम.पी. मैथानी को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के कार्य को सराहा।

इस वर्ष आधारभूत संरचना के उन्नयन के साथ–साथ इस स्थान को दिव्याँग बच्चों के लिए मैत्री–पूर्ण बनाना भी वर्ष का महत्त्वपूर्ण एजेंडा रहा है। हमने अपने परिसर को दिव्याँग बच्चों के लिए सरल पहुंच वाला बनाने के दृष्टिगत कहीं अधिक प्रयास किए हैं, पहले नए रैम्पों का निर्माण किया गया था, विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए विशेष टायलेट्स का निर्माण प्रगति पर है। पेंटिंग तथा सुन्दर कलात्मक टाईल का काम, फव्वारों को सुचारू बनाने, राष्ट्रीय बाल भवन के विख्यात कलाकारों द्वारा पुराने कलात्मक काम की पुर्नवहाली पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, आगन्तुकों के लिए स्वागत क्षेत्र में टी. वी. की व्यवस्था की गई है। सम्मेलन कक्ष का पुनरूद्धार किया गया है जिसे कहीं ज्यादा नयनाभिराम एवं उपयोगी बनाया गया। परिसर में सुगम आवाजाही के लिए मार्गदर्शिका चिन्हों में सुधार किया गया है, हमारे आगन्तुकों के लिए पर्यावरण एवं विज्ञान पर ज्यादा जोर दिया गया है, जहाँ एक मिनी डिजीटल क्रांति को भी स्थान दिया गया है, प्रलेखन को डिजीलीकृत किया गया, प्रशासन प्रणाली को चुस्त–दुरूस्त बनाया गया, विभिन्न अनुभागों में कम्प्यूटरीकरण किया गया है। हमारे कार्यालय की वैबसाइट का पुररूद्धार किया गया और हमने वर्तमान समय के अनुरूप सोशल मीडिया में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

अपने काम को प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन ने एक लघु डाक्यूमेन्टरी फिल्म तैयार की है। जवाहर बाल भवन, मांडी में भी भारी सुधार प्रदर्शित हुआ है, विशेषकर वर्ष के दौरान लड़कियों की बड़े पैमाने पर सहभागिता एवं सदस्य संख्या की दिशा में। एक और महत्त्वपूर्ण परियोजना फलीभूत हुई है जो संस्कृति शिल्प ग्राम का एक इन्टरएक्टिव स्पेस के रूप में पुनरूद्धार, जहाँ विज्ञान और हमारी विरासत व इतिहास का मिलन सम्भव हो जाएगा। एक ऐसा स्थान जहाँ बच्चे अपनी जड़ो से रूबरू होंगे और भविष्य के लिए अनुप्रेरित भी।

नीतिगत परिप्रेक्ष्य में दृष्टिकोण एवं मिशन तथा दृष्टिकोण दस्तावेज 2015 का प्रारूप एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे हमारे लक्ष्यों की सुस्पष्टता परिलक्षित होगी और हम विकास की अपनी दिशा में गतिमान हो सकेंगे। हमने नए बाल भवन खोलने के लिए सीड मनी, मान्यता प्रदान करने, अनुदान जारी करने (आवृती और गैर–आवर्ती), प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए बाल भवन का चयन सम्बंधी मार्गदर्शी–निर्देश तैयार करने और इसके परिचालन की दिशा में भी कार्य किया है।

इनके अलावा अनेक ऐसे नए ऐतिहासिक घटनाक्रम/कार्यक्रम भी हुए हैं जो हमारी सशक्त स्मृतियां एवं आने वाले वर्षों के लिए उदाहरण बनेंगे। इस वर्ष हमारे परिसर में नोबल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी के आगमन एवं बच्चों के साथ उनके विशेष विचार विमर्श एवं बच्चों को उनका सन्देश कि वे वही सर्वोत्तम करें, जिससे उनका प्यार है, हमारे लिए सम्मान की बात है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक अद्भुत पहल 'कला उत्सव' के शुभारम्भ का राष्ट्रीय बाल भवन साक्षी रहा। भारत की विविधता की रंगारंग प्रस्तुति के लिए देश भर से आए बच्चों के यहां आगमन से हम गौरवान्वित हुए। वर्ष के सर्वाधिक अद्वितीय सीमा दर्शन कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने अटारी, बाघा बार्डर पर हमारे सैनिक भाईयों से मुलाकात की और सीमा पर इन बहादुर भाईयों के समक्ष बच्चों ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस वर्ष हमने वर्ष 2013 बाल श्री पुरस्कारों के सभी लम्बित पुरस्कार प्रदान किये। विस्तृत मूल्यांकन अध्ययन/राष्ट्रीय बाल भवन के सम्यक् नेटवर्क की गतिविधियों का विस्तार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक परियोजना तथा राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद द्वारा की गई सिफारिशों द्वारा मार्गदर्शित संशोधित बाल श्री योजना तैयार की गई। इस बाल श्री योजना को देश के 23 राज्यों में 676 जिलों के साथ–साथ अन्य परिवर्तनों के अलावा 16 उप श्रेणियों तथा विशेष श्रेणियों में बच्चों के प्रावधान को शामिल करके इसकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संशोधित किया गया। राज्य बाल श्री शिविर में 2000 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया, जो सामान्य सहभागिता के 3 गुणा से भी अधिक रहा, इसमें 103 विकलांग बच्चों ने भाग लिया तथा 17 राज्य केन्द्र इस प्रक्रिया में संलग्न रहे। इन कार्यक्रमों के अलावा पूरे उत्साह के साथ संविधान दिवस व मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

अखिल भारतीय निदेशक एवं अध्यक्ष सम्मेलन में विभिन्न बाल भवन की टीमों की अद्वितीय सफलता की कहानियों को देखा। विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों ने बच्चों को नवोन्मेष, पर्यावरणीय गतिविधियों में संलिप्त करने तथा विकलांग बच्चों की सहभागिता के सम्बंध में विचार रखे जिससे हमें गर्व की अनुभूति हुई। औरंगाबाद में युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन में सहभागियों को सम्भावनाएं तलाशते देखा, जिससे उन्हें पर्यावरण सम्बंधी मुद्दों को समझने का अवसर मिला।

अन्त में, मैं समूचे बाल भवन परिवार को धन्यवाद देना चाहूंगी, जो अपनी लगन और वचनबद्धता से हमारे दृष्टिकोण को प्रत्येक दिन उन्नत्ति के सोपानों पर अग्रसर करने में प्रयासरत हैं और इस आन्दोलन में अपना जीवन लगाने के उपरान्त इस वर्ष हमारे अनेक सदस्यगण सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मैं उनका शुक्रिया अदा करती हूँ और जीवन में सर्वोत्तम की कामना भी। मैं इस परिवार में आने वाले नए सदस्यों का भी स्वागत करती हूँ, जो हमारी शक्ति एवं उत्साह में वृद्धि करेंगे। मैं सम्पूर्ण बाल भवन आन्दोलन, परिवार, राष्ट्रीय बाल भवन प्रबन्धन, स्टाफ, बाल भवन केन्द्र, देशभर में सभी बाल भवन सदस्यों को उनके सतत कड़े परिश्रम एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को वर्ष पर्यन्त निरन्तर सहयोग व प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देती हूँ। मैं बाल भवन आन्दोलन के लिए विपुल सम्भावनाओं के साथ एक और नए अद्भुत वर्ष की उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षा में हूँ। हमें एक लम्बी दूरी तय करनी है और स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में "उठो, जागो और जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, रूको मत।"

Shalu Jindal

शालू जिन्दल
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन सृजनात्मकता एवं आमोद-प्रमोद से परिपूर्ण एक स्थान हैं। राष्ट्रीय बाल भवन की वर्ष-पर्यन्त गतिविधियों के कैलेण्डर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, बच्चों की सृजनात्मकता एवं अनुप्रयोगों पर आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं। इस वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में वर्ष 2015-16 की उपलब्धियों का सारांश आपके समक्ष रखते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

इस वर्ष ग्रीष्म उत्सव में कुल 11220 बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया। ग्रीष्म उत्सव के दौरान नोबल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी राष्ट्रीय बाल भवन आए और उन्होंने बच्चों के साथ विचार-विमर्श किया। राष्ट्रीय बाल भवन ने 22 मई से 18 जून, 2015 तक "ऊर्जा उत्सव" का आयोजन किया, जिसमें 2000 बच्चों ने भाग लिया और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 5 जून, 2015 को पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसका थीम था -"सात बिलियन स्वप्न-एक पृथ्वी-सावधानी से उपयोग करें।" विशेषज्ञों ने यहां आकर भू-मण्डल को बचाने व सतत विकास के महत्त्व पर प्रकाश डाला। दिव्याँग बच्चों समेत राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने 22 जून, 2015 को ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया। संशोधित बाल श्री सम्मान योजना के कार्यान्वयन की प्रक्रिया को अन्तिम रूप देने के लिए 30 जून, 2015 को राज्य बाल भवन के निदेशकों के साथ एक बैठक आयोजित हुई।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति तथा मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में 5 सितम्बर को विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर बाल भवन के बच्चों ने समूह गान प्रस्तुत किया। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल सभा की थीम "मेरा गाँव-मेरा गौरव" था। देश भर के 400 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल सभा में भाग लिया। देश भर में पारम्परिक कला एवं संस्कृति के सम्बर्द्धन के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा शुरू किए गए "कला उत्सव" कार्यक्रम की मेजबानी राष्ट्रीय बाल भवन ने की। प्रतिष्ठित बाल श्री सम्मान कार्यक्रम 3 फरवरी, 2016 को विज्ञान भवन में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने वर्ष 2013 के 62 बाल श्री पुरस्कार विजेताओं को यह सम्मान प्रदान किया। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों के समूह ने बाघा बार्डर जाकर "सीमा दर्शन" किया और उन्होंने जवानों के समक्ष एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया, जिससे जन सामान्य में उत्साह का संचार हुआ।

राष्ट्रीय बाल भवन का गतिविधि पूर्ण वर्ष औरंगाबाद, महाराष्ट्र में 'प्रकृति के प्रहरी' थीम पर आधारित 'युवा पर्यावरण विद्' राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ समाप्त हो गया।

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों एवं उनके विकास के विभिन्न पहलू ही हमारा केन्द्र बिन्दु हैं और जनसंख्या के इस घटक को संवेदनशील बनाना हमारा उद्देश्य हैं जिनके सुकुमार कन्धों पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर है। हमारा दृष्टिकोण हमारा मिशन है और मुझे आशा है इस रिपोर्ट के सभी पाठकगण हमारे प्रयासों में हमारे सहायक होंगे।

अनामिका सिंह
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार

1. श्रीमती शालू जिन्दल, अध्यक्ष
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002
   दूरभाष : 23222175
   ई–मेल : shallu@jindalsteel.com

2. डॉ0 इन्दुमती राव, उपाध्यक्ष
   गृह संख्या 134, प्रथम ब्लाक, 6 मेन
   बी.एस.के.–III स्टेज, बैंगलोर – 560085
   ई–मेल : ideasianetwork2013@gmail.com

3. प्रो0 आर0 गोविन्दा
   डी–504, प्रकृति अपार्टमेंटस
   सैक्टर–6, द्वारका, नई दिल्ली
   ई–मेल : aargovinda@gmail.com

4. श्री हरीश कुमार, निदेशक
   कमरा नं0 526, सी–विंग
   मानव संसाधान विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली, दूरभाष – 011–23385744
   ई–मेल : harishkumar.edu@nic.in

5. श्री अनिल काकरिया, उपसचिव (वित्त)
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   आन्तरिक वित्त विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली, दूरभाष : 23381877
   ई–मेल : kakria_anil@yahoo.co.in

6. श्रीमती लता वैद्यनाथन, बोर्ड सदस्य
   1601, टावर–5, साउथ अपार्टमेन्टस के पास
   निरवाना काउन्ट्री, गुडगांव, दूरभाष : 9818040735
   ई–मेल : latavaidyanathan@hotmail.com

7. डॉ0 सायरा वर्गीश, बोर्ड सदस्य
   सी–86, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
   दूरभाष : 9810526656
   ई–मेल : sairageorge@hotmail.com

8. सुश्री संजना कपूर, बोर्ड सदस्य, रा.बा.भ.
   19 कौटिल्य मार्ग, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली–21
   दूरभाष : 022–26175775, 9899936360
   ई–मेल : sanjna@junoontheatre.org

9. श्री संतोष अमोनकर, निदेशक
   बाल भवन गोवा, परेड ग्राउंड के सामने
   कम्पल, पणजी, गोवा
   दूरभाष : 0996032274, 0832–2226823
   09823629718
   ई–मेल : goabalbhavan@yahoo.in

10. श्री के. मोहन कुमार, एडवोकेट
    एस.आर.ए.–59, अथीरा मेन गेट
    नलन चीरा पोस्ट ऑफिस
    तिरूअन्तपुरम– 695015
    दूरभाष : 09447044301
    ई–मेल : dcctrivandrum@gmail.com

11. डॉ. उषा कुमारी एम.सी. **(दिसम्बर, 2015 तक)**
    श्रीमती अनामिका सिंह **(जनवरी, 2016 से)**
    निदेशक (सदस्य सचिव)
    राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड
    नई दिल्ली–110002
    दूरभाष : 011–23239141, 9013070924
    ई–मेल : nbb.director@gmail.com

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत्त शासी संस्था है जिसकी स्थापना पं. जवाहर लाल नेहरू द्वारा की गई थी। बच्चों में शिक्षा और सृजनात्मकता उपलब्ध कराने के लिए यह एक शीर्षस्थ केन्द्र है। बाल भवन देश भर में एक आन्दोलन के रूप में फैला हुआ है और इस समय राष्ट्रीय बाल भवन के मान्यता प्राप्त 134 बाल भवन तथा बाल केन्द्र कार्यरत हैं।

इसके अलावा दिल्ली में 48 बाल भवन केन्द्र भी कार्यरत होने के साथ दिल्ली के मांडी गांव में भी एक बाल भवन है। ये सभी संस्थायें बच्चों के लिए अपनी विविध गतिविधियों का संचालन करते हैं, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नही है।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन के अवसर प्रदान कर उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता और नवोन्मेष प्रदान करने के साथ-साथ प्ले वे पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है। नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से अपने सदस्यों को तनाव मुक्त वातावरण उपलब्ध कराता है। बाल भवन सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल पर बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व के विकास के लिए अवसर प्रदान करता है।

प्रत्येक वर्ष हजारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य में 48 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो इसी पद्धति से संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए है और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

बाल श्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवोन्मेष में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। 31 मार्च, 2015 तक देश भर में कड़ी तीन स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से इन क्षेत्रों में 539 बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

संशोधित बाल श्री योजना अक्तूबर-नवम्बर 2015 में शुरू की गई जिसमें 4 विषयों को बढ़ाकर 16 उप-विषयों में वर्गीकृत किया गया। करीब 2056 बच्चों ने अखिल भारतीय स्तर पर सहभागिता की और 404 बच्चों को राष्ट्रीय सहभागिता के लिए चुना गया। 80 विजेताओं (64+16 दिव्यांग) को पुरस्कार के लिए चुना जाएगा।

इस प्रकार, राष्ट्रीय बाल भवन में सभी के लिए सृजनात्मकता नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्‌भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

उत्सुकता की उत्पत्ति एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

उद्देश्य

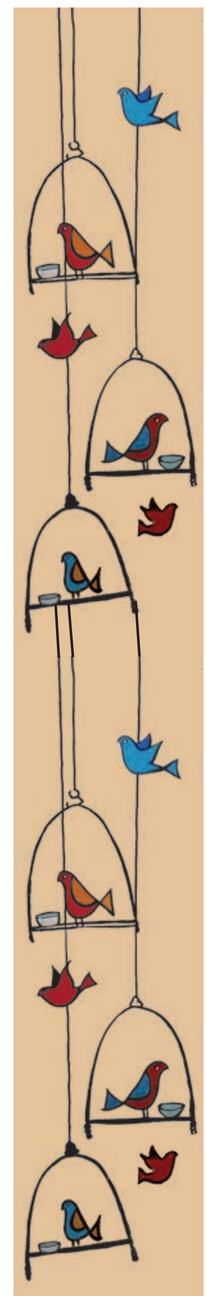

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।
2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।
3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध) बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।
4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।
5. मनोरंजनात्मक कामगारों और बच्चों के संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।
7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।
8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।
9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत को विकसित करने में सहायक हों।
10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2015–16

प्रत्येक वर्ष बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों में वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 5614 (3388 लड़के, 2226 लड़कियों तथा 1481 निःशुल्क सदस्य सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 396 बच्चों (274 लड़के तथा 122 लड़कियों) ने जवाहर बाल भवन माण्डी में तथा 12499 बच्चों ने 48 दिल्ली के बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 11 पब्लिक स्कूलों, सभी सरकारी विद्यालयों एवं 2 एनजीओ द्वारा संचालित संस्थाओं ने वर्ष 2015–16 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त की।

केन्द्र गत सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	लड़के		लड़कियाँ		कुल	
		2014–15	2015–16	2014–15	2015–16	2014–15	2015–16
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3284	3388	2081	2226	5365	5614
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	298	274	88	122	386	396
3.	बाल भवन केन्द्र	7217	6067	6999	6342	14216	12499

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल		सरकारी स्कूल		निःशुल्क संस्थाएँ	
	2014–15	2015–16	2014–15	2015–16	2014–15	2015–16
1	10	11	22	सभी	8	2

सदस्यता प्राप्त पब्लिक स्कूलों की सूची

1. स्वर्ण भारती पब्लिक स्कूल, सोनिया विहार, नई दिल्ली।
2. एमडीवीएम स्कूल, नीमराणा, अलवर, राजस्थान।
3. बाल भारती पब्लिक स्कूल, भिवाडी, राजस्थान।
4. रामजस गर्ल्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल, दरियागंज, दिल्ली।
5. रामजस पब्लिक स्कूल (डे बोर्डिंग) आनन्द पर्वत, नई दिल्ली।
6. जी.एल.टी. सरस्वती बाल मन्दिर सीनियर सैकण्डरी स्कूल, नेहरू नगर, नई दिल्ली।
7. समर फील्ड स्कूल, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।
8. दरबारी लाल डी ए वी मॉडल स्कूल, पीतमपुरा, नई दिल्ली।
9. इन्नर व्हील क्लब ऑफ इंडिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली।
10. वेद प्रकाश इंस्टीट्यूट, शाहबाद डेयरी, बवाना, दिल्ली।
11. निर्मल ज्योति चेरिटेबल सोसायटी, वसंत कुंज, नई दिल्ली।

प्रतिभागी सरकारी स्कूलों की सूची

1. एसबीएम सीनियर सैकण्डरी स्कूल, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली।
2. एसकेवी दीनदारपुर, दिल्ली।
3. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल नं.1, नज़फगढ़, नई दिल्ली-43
4. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकण्डरी, मयूर विहार, फेस-III, नई दिल्ली।
5. गर्वमेंट को. एड. सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रोहिणी, नई दिल्ली।
6. सलवान गर्ल्स, सीनियर सैकण्डरी स्कूल, पुराना राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।
7. गर्वमेंट सर्वोदय बाल विद्यालय, सब्जी मण्डी, घण्टा घर, दिल्ली-07
8. एसकेवी, जी-ब्लॉक साकेत, नई दिल्ली।
9. गर्वमेंट को. एड. सीनियर सैकण्डरी स्कूल, पोसागीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली।
10. एसकेवी, पुष्प विहार, नई दिल्ली।
11. आरकेएसवी नं. 2, शकरपुर, दिल्ली-92
12. एसकेवी हवेली आज़म खान, आसफ अली रोड, दिल्ली-6
13. जीबीएसएस, अम्बेडकर नगर, सैक्टर-5, दिल्ली-67
14. रानी दत्ता आर्या विद्यालय, पटौदी हाऊस, दिल्ली।
15. आन्ध्रा एजू. सोसायटी, डीडीयू मार्ग, नई दिल्ली।
16. जीबीएसएस, राउज एवेन्यू, नई दिल्ली।
17. नवशक्ति गर्ल्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल, दिल्ली।
18. गर्वमेंट बॉयज सीनियर सैकण्डरी स्कूल, पण्डारा रोड, नई दिल्ली।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

राष्ट्रीय बाल भवन का केन्द्र बिन्दु बच्चों का जीवन के सभी क्षेत्रों में सृजनात्मक विकास करना है। रा.बा.भ. के बच्चे अपनी दक्षता का सम्पूर्ण विकास करने के निमित तैयार की गयी विभिन्न गतिविधियों को अंगीकार करने के लिए स्वतंत्र है। राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जाती हैं –

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनका विकास करना है, जिससे वे अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित हो सकें तथा उन्हें कला और शिल्प की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान भी हो सके। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जो निम्नलिखित उप-भागों में विभाजित की गई हैं

चित्रकला

इस अनुभाग में 5-16 वर्ष के बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप अपेक्षाकृत बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि 5 से 8 वर्ष के बच्चों को। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़ी उम्र के बच्चे पोर्ट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय पर आधारित चित्र बनाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाइ एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, इत्यादि कार्यकलाप सीखने का अवसर भी मिलता है।

हस्तशिल्प

हस्तशिल्प भी एक लोकप्रिय क्रियाशील गतिविधि है, जिसमें बच्चों को विभिन्न प्रकार से काम में न आने वाली वस्तुओं, जैसे -पुरानी पत्रिकाएँ, गत्ते के खाली डिब्बे, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज, थर्मोकॉल, कतरनें, बीज, पत्तियाँ व टहनियाँ इत्यादि पदार्थों के साथ प्रयोग करने की खुली छूट मिलती है। बच्चों द्वारा काम में न आने वाली वस्तुओं के माध्यम से बनाई गई सुंदर कृतियाँ देखते ही बनती हैं। यहाँ के उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते है।

बुनाई

बुनाई भी एक लोकप्रिय गतिविधि है, जहाँ बच्चे कई प्रकार के कलात्मक कार्य जैसे -वॉल हैंगिंग, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री दृश्यावली इत्यादि बनाते हैं, और बच्चों को बुनाई के शिल्प की तकनीकों से अवगत कराया जाता है। उनमें सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर वस्तुओं के निर्माण करने की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की गाँठे लगाना व बुनाई की कई तकनीक सीखते हैं और छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

इस अनुभाग की गतिविधियों में सिलाई-कढ़ाई, खिलौने बनाने, कठपुतली बनाने, मैक्रमे, क्रोशिया इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भरे खिलौने बनाने की कला भी ऐसी गतिविधि है, जो बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं। बच्चों को हैंगिंग्स बनाना, तरह-तरह सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करना अच्छा लगता है।

काष्ठ शिल्प

इस अनुभाग में कुछ बड़ी उम्र के बच्चों अर्थात 12 से 16 वर्ष तक के बच्चों की सृजनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। वे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन होल्डर, पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, डिब्बे, पॉट कवर इत्यादि बनाना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। बची हुई लकड़ी के बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य या वस्तुएँ भी बनाते हैं।

मिट्टी का काम

मिट्टी का काम गतिविधि मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो छोटे बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी सहायता करती है। बच्चे मिट्टी के जानवर, मानव आकृतियाँ एवं मुख, चेहरे, दृश्य व डिज़ाईन इत्यादि बनाते हैं और साथ ही पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने, टेराकोटा काम भी सीखते हैं। पेपरमैशी, कास्टिंग का आविष्कार करते हुए यह अनुभाग बच्चों के नवप्रायोगिक कार्य करने और उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

बाल भवन में जिल्दसाज़ी की गतिविधि भी अत्यंत लोकप्रिय है, क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चे अपनी किताबों को सुरक्षित रखना सीखते हैं। यहाँ जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं का निर्माण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। उन्हें कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उससे विभिन्न तकनीकों द्वारा कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कई नए प्रकार की वस्तुएँ बनाना सीखते हैं।

मिले-जुले क्रियाकलाप

यह मिले-जुले अनुभाग सभी उम्र के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले बड़े बच्चे आमतौर पर हस्तशिल्प से संबंधित काम करना ज्यादा पसंद करते हैं। यह एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक मीडिया से दूसरे मीडिया पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परंपरागत लोक चित्रकला बनाना सीखना इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे यहाँ खिलौने और पेपरमैशी व कागज के शिल्प की कलात्मक वस्तुएँ बनाना भी सीखते हैं।

विज्ञान कार्यकलाप

राष्ट्रीय बाल भवन में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और उल्लेखनीय पक्ष है एकीकृत पहुँच, जिसमें विज्ञान को अन्य कार्यक्रमों का अभिन्न अंग बनाया गया है।

बाल भवन पर्यावरण विज्ञान को भी बहुत महत्व देता है तथा प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अपनी संस्कृति, कलाशिल्प, लोककला व साहित्य, परंपराओं और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण को भी महत्त्व देता है।

बाल भवन की पर्यावरण से संबंधित कई परियोजनाओं के अतिरिक्त 'हरितवाहिनी' यानि बच्चों की हरित सेना द्वारा 'विशाल हरित क्रांति विषयक परियोजना' चलाई जा रही है। अधिकतम बच्चों तक पहुँचने के उद्देश्य से 1990 से "राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन" भी प्रारंभ किया गया है। इस अद्वितीय और अर्थपूर्ण सम्मेलन में राष्ट्र

के विभिन्न भागों के बच्चे भाग लेते हैं और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसमें केवल भौतिक पर्यावरण ही नहीं होता, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्यावरण का भी समागम होता है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। उन्हें भौतिक/प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो,-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और वैज्ञानिकों से भेंट आदि शामिल हैं। आई.बी.एम. ने राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट स्वरूप दो कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। इसमें उपलब्ध सॉफ्टवेयर विशेष रूप से आपसी क्रियात्मक (इन्टरएक्टिव) खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए विज्ञान को सरल एवं मज़ेदार रूप में प्रस्तुत करते हैं। ये सॉफ्टवेयर खगोलशास्त्र, समुद्री जीवन, जीव-विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान संबंधी खेल उपलब्ध कराते हैं। इन कम्प्यूटरों के द्वारा बच्चे विश्व भर के विज्ञान संग्रहालयों की यथार्थ यात्रा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन का कोई भी सदस्य बच्चा 'ट्राई साईस' में विज्ञान का प्रयोग कर सकता है। समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्नलिखित उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं।

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान

इस अनुभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ –

1. भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान में प्रयोग
2. शैक्षिक यात्रायें
3. थीम को लेकर कार्यशालायें

बच्चों को परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए प्रयोगशाला उपकरण मुहैय्या कराए जाते हैं।

कैसे और क्यों क्लब

विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए कैसे और क्यों क्लब का सृजन किया गया था। सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं।

अन्वेषक क्लब

बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिजाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने के विभिन्न पहलुओं से काफी सीखते हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

इस अनुभाग में 12–16 वर्ष की उम्र के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना इस अनुभाग के कार्यकलाप हैं। यहाँ बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा–उपस्करों जैसे–सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान अर्जित करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक व्यक्ति 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। बाल भवन में हम रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत करना चाहते हैं, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने–अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों के लिए उपलब्ध है। वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखने से लेकर यहाँ बच्चे विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी लेते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उड़ने का आनंद उठाने में रुचि पैदा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन–प्रतिदिन अधिक से अधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ–साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर के इस कार्यकलाप का आरंभ स्कूली शिक्षा के संपूरक के रूप में भी किया गया है। बाल भवन इंटरनेट के विषय में भी जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे बच्चे आधुनिकतम तकनीक से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में कई सार्थक एवं अभिनव कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियों का भी आयोजन होता है।

पर्यावरण

फ्लौरा और फौना के अनुरक्षण के लिए पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री–साइक्लिंग जैसी गतिविधियों से बच्चों में उनके आस–पास के वातावरण के प्रति जागृति लाई जाती है।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं तथा वे ऊपर आकाश यानि ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं।

मछली घर तथा जीवजन्तु कार्नर से सम्बंधित गतिविधियाँ

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणायों को सीखने के लिए मछली घर का इस्तेमाल करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों के खानपान व रहन-सहन के बारे में जीव जन्तु कार्नर से जानकारी हासिल करते हैं।

विज्ञान वाटिका से सम्बंधित गतिविधि

वैज्ञानिक सिद्धांतों के बारे में अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशील मॉडल के माध्यम से बच्चे भी कार्ड बोर्ड, मोटरों, बैटरियों आदि का इस्तेमाल करते हुए ऐसे मॉडल तैयार करते हैं।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन का पुस्तकालय एक बहुत बड़ा पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 45,000 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कम्प्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में कई भाषाओं जैसे हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विषय विशेष और विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक शिविर लगाए जाते हैं। इन शिविरों के दौरान वे बाल भवन के प्रांगण में ही रहते हैं और विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। इस विभाग द्वारा कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है, जिसमें हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद और परिचर्चा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अनुभाग द्वारा कवि सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है जो बहुत लोकप्रिय होते हैं। इन कवि सम्मेलनों में बच्चे न केवल अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है, जो बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है। विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाद-विवाद और संगोष्ठियाँ
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- आशुभाषण
- वक्तष्टता

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन कार्यकलाप से जुड़े विभिन्न कौशलों से बच्चों का अवगत कराया जाता है। पुरानी तकनीक के प्रचलन के समाप्त होने के उपरान्त फोटोग्राफी अनुभाग ने डिजीटल फोटोग्राफी का प्रशिक्षण प्रारम्भ कर दिया है। उपलब्ध तकनीक मोबाइल फोन कैमरों से लेकर उच्च श्रेणी डिजीटल कैमरों तक पहुँच चुकी है। फोटोग्राफी अनुभाग बच्चों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराता है।

विडियोग्राफी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें विशेषज्ञ बच्चों को डिजिटल विडियोग्राफी तथा फिल्म निर्माण की कला सिखाते हैं।

यह अनुभाग वयस्कों के लिए फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धान्तों एवं उन्नत फोटोग्राफी की कार्यशालायें भी आयोजित करता है।

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति, अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपने स्वयं के सामर्थ्य की पहचान के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, कठपुतली, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं व उनका ज्ञान भी इस विभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला/गतिविधि विभाग में निम्नलिखित उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत (सितार)
- हारमोनियम एवं वाद्ययंत्र
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला (समय-समय पर)

शारीरिक शिक्षा

राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ यथा–टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व योग से लेकर जूडो और स्केटिंग तक सिखाई जाती हैं। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहाँ आयोजित की जाती हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट और बॉस्केट बॉल)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला

गृह प्रबंधन

इस विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों को बनाने का प्रयास करते हैं और प्रशिक्षकों की देख–रेख में नई–नई विधियाँ

सीखते हैं । स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं। विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है 'संग्रहालय तकनीक क्लब', जिसमें मिट्टी से मोल्ड सांचा बनाने तथा प्लास्टर आर्फ पेरिस द्वारा 'कास्ट' (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर 'पीस मोल्ड' बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है। विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव

उनके ज्ञान का विस्तार करता है। विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है। इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार–विनिमय
- फील्ड कार्य

प्रकाशन–संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बाल भवन के विभिन्न प्रकाशनों के लिए निर्माण, अनुसंधान तथा संपादन कार्य शामिल रहते हैं। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है तथा विभिन्न कार्यशालायें करवाई जाती हैं जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियाँ, वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है और इसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है – इनमें प्रमुख हैं – **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई हैं।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती हैं। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
62138	18391	343

1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची –

- बच्चों के सृजनात्मक कार्य – ग्रीष्मकालीन सत्र 2015
- भारत के गाँव
- ग्रामीण भारत – भारत की दृष्टि में

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र का उद्देश्य सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्ष भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने; उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति को एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

वर्ष 2015-2016 के दौरान संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम –

- मिले-जुले प्रशिक्षण कार्यक्रम – (आई टी पी) - 7 अप्रैल से 6 मई, 2015 – 63 सहभागीगण
- उत्तराखंड के सरकारी स्कूलों से आए अध्यापकों के लिए (आई टी पी) - 14 सितम्बर से 23 सितम्बर, 2015 – 21 सहभागीगण
- (आई टी पी) – 12 जनवरी से 16 फरवरी, 2016 – 84 सहभागीगण
- (आई टी पी) – 15 मार्च से 23 अप्रैल, 2016 – 63 सहभागीगण

हमारे कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास लिए काम करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर काम करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन ने अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने का नेक संकल्प लिया।

वर्तमान में राष्ट्रीय बाल भवन की पहुँच 119 संबद्ध बाल भवनों तथा 15 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से पूरे देश में बन चुकी है। यह संख्या उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं तथा दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से तथा बाल भवन स्थापित करके अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन मनोरंजन तथा सृजनात्मक तरीकों के द्वारा शिक्षा देने की कोशिश करता है तथा विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचाने का प्रयास करता है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

बाल भवन के नियमित कार्यकलापों के अतिरिक्त राष्ट्रीय बाल भवन कई अन्य नए प्रकार के स्थानीय कार्यक्रम भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठी आदि शामिल हैं।

इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर बच्चों के क्षितिज का विस्तार करते हैं, तो दूसरी ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से परिचित होने का अवसर भी प्रदान करते है।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2015-16

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/ अध्यापकों की संख्या
1.	7.4.2015 से 6.5.2015	समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम (स.प्र.का.)	60 अध्यापकों ने भाग लिया।
2.	12.5.2015 से 19.6.2015	ग्रीष्म उत्सव	राष्ट्रीय बाल भवन में 5466 बच्चों का पंजीकरण हुआ। बाल भवन केन्द्र में 5754 बच्चों का पंजीकरण हुआ।

3.	12.5.2015 से 19.6.2015	भारतीय बाल चलचित्र समिति (सी एफ एस आई) के सहयोग से बाल फिल्म उत्सव का आयोजन	2500 बच्चों ने भाग लिया।
4.	19.5.2015 और 20.5.2015	अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन	34 (8 लड़कियों + 26 लड़कों) ने भाग लिया।
5.	मई 2015 का तीसरा सप्ताह	पोट्रेट कार्यशाला स्टूडियो लाईट कार्यशाला	200 बच्चों ने भाग लिया 246 बच्चों ने भाग लिया।
6.	22.5.2015 से 18.6.2015	ऊर्जा उत्सव	2000 बच्चों ने भाग लिया।
7.	25.5.2015	नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी के साथ इन्टरएक्शन	200 बच्चों ने भाग लिया।
8.	29.5.2015	राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय का भ्रमण	35 सदस्य बच्चों (20 लड़कियाँ + 15 लड़कों) ने भाग लिया।
9.	30.5.2015	राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान इतिहास संग्रहालय का भ्रमण	29 सदस्य बच्चों (13 लड़कियों + 16 लड़कों) ने भाग लिया।
10.	30.5.2015	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन	3000 बच्चों ने भाग लिया।
11.	जून 2015 का पहला सप्ताह	पक्षी फोटोग्राफी कार्यशाला	246 बच्चों ने भाग लिया।
12.	2.6.2015	राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण	38 सदस्य बच्चों (14 लड़कियों + 24 लड़कों) ने भाग लिया।
13.	4.6.2015	राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण	46 सदस्य बच्चों (19 लड़कियों + 27 लड़कों) ने भाग लिया।
14.	6.6.2015	मेट्रो संग्रहालय का भ्रमण	39 सदस्य बच्चों (13 लड़कियों + 26 लड़कों) ने भाग लिया।
15.	जून 2015 का तीसरी सप्ताह	भवन एवं वास्तुशिल्प छायांकन	264 बच्चों ने भाग लिया।
16.	22.6.2015	ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में सदस्य बच्चों की सहभागिता।	दिव्याँग बच्चों सहित 25 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
17.	17.7.2015	स्टाफ के लिए कम्प्यूटर कार्यशाला	राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन मांडी के 27 सदस्यों ने भाग लिया।
18.	21.8.2015	रोटरी क्लब, दिल्ली के सहयोग से जवाहर बाल भवन, मांडी में वृक्षारोपण एवं पेंटिंग गतिविधि का आयोजन	50 बच्चों ने इसमें भाग लिया।

19.	15.8.2015	स्वतंत्रता दिवस	50 बच्चों एवं स्टाफ सदस्यों ने इसमें भाग लिया।
20.	20.8.2015	सद्भावना दिवस	राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन के 130 स्टाफ सदस्यों ने सद्भावना की शपथ ली।
21.	1.9.2015 से 15.9.2015	हिन्दी पखवाड़ा	50 स्टाफ सदस्यों ने इसमें भाग लिया।
22.	1.9.2015 से 17.9.2015	राष्ट्रीय बाल भवन में 3 दिवसीय गतिविधियाँ	8 सरकारी स्कूलों से 4048 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
23.	4.9.2015	शिक्षक दिवस - प्रधानमंत्री द्वारा दूरदर्शन पर प्रसारण	राजकीय बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल तथा सरदार पटेल विद्यालय के 440 बच्चों और 30 अध्यापकों ने जवाहर बाल भवन, मांडी में तथा राष्ट्रीय बाल भवन में 500 बच्चों ने भाग लिया।
24.	5.9.2015	भारत के महामहिम राष्ट्रपति की अध्यक्षता तथा मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में विज्ञान भवन में आयोजित शिक्षक पुरस्कार कार्यक्रम के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किया।	20 बच्चों ने समूह गान में भाग लिया।
25.	10.9.2015	बच्चों के लिए हिन्दी कार्यशाला	16 स्कूलों (सरकारी एवं प्राइवेट) से 83 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
26.	11.9.2015 से 23.9.2015	समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम	उत्तराखण्ड के 21 सरकारी स्कूलों के अध्यापकों ने इसमें भाग लिया।
27	15.9.2015	जवाहर बाल भवन, मांडी में ध्वजारोहण समारोह	आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के 50 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
28	15.9.2015 से 19.9.2015	"आओ रंगों में ढालें कहानियाँ पंचतंत्र की" विषय पर संग्रहालय कार्यशाला।	50 सदस्य बच्चों (34 लड़कियों + 16 लड़कों) ने इसमें भाग लिया।
29	8.10.2015	अन्य देशों के स्कूली बच्चों के साथ एमिटी इन्टरनेशनल स्कूल का भ्रमण	50 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
30	31.10.2015 से 1.11.2015	राज्य स्तरीय बाल श्री शिविर	2000 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
31	3.11.2015 से 13.11.2015	माईम कार्यशाला	25 बच्चों ने इसमें भाग लिया।

32	14.11.2015 से 20.11.2015	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर - 2015	300 सदस्य बच्चों + 60 एस्कोर्ट ने इसमें भाग लिया।
33	26.11.2015	संविधान दिवस	स्टाफ और बच्चों ने भाग लिया।
34	8.12.2015 से 11.12.2015	मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं राष्ट्रीय शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अनुसंधान परिषद के सहयोग से कला उत्सव का आयोजन।	उद्घाटन समारोह के दौरान 25 बच्चों ने समूह गान प्रस्तुत किया। राज्यों के विजेता बच्चों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
35	17.12.2015 से 29.12.2015	विभिन्न पुस्तकालय गतिविधियाँ	1494 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
36	17.12.2015 से 19.12.2015	3 दिवसीय गतिविधि में सरकारी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया।	7 सरकारी स्कूलों के 2329 बच्चों ने भाग लिया।
37	22.12.2015	विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस	50 छात्रों ने भाग लिया।
38	01.01.2016 से 07.01.2016	आमोद दिवस	रा.बा.भ. एवं बाल केन्द्र तथा मांडी के 200 बच्चों तथा 70 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
39	12.1.2016 से 16.2.2016	समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई टी पी)	84 अध्यापकों ने इसमें भाग लिया।
40	25.1.2016 और 26.1.2016	सीमा दर्शन कार्यक्रम	25 बच्चों ने बाघा बार्डर, अमृतसर के कार्यक्रम में सहभागिता की।
41	3.2.2016	वर्ष 2013 के पुरस्कार विजेताओं के लिए विज्ञान भवन में राष्ट्रीय बाल श्री पुरस्कार समारोह का आयोजन	माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने 62 बच्चों को बाल श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।
42	21.2.2016	मातृभाषा दिवस	707 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
43	23.2.2016 से 26.2.2016	लर्निंग लिंक फाउण्डेशन के सहयोग से दिव्याँग बच्चों के लिए कम्प्यूटर कार्यशाला	23 दिव्याँग बच्चों (शारीरिक दृष्टि से दिव्याँग) ने इसमें भाग लिया।
44	29.2.2016 और 1.3.2016	32वाँ अखिल भारतीय अध्यक्ष एवं निदेशक सम्मेलन	मान्यता प्राप्त बाल भवन एवं बाल केन्द्र के 34 अध्यक्षों व 54 निदेशकों ने इसमें भाग लिया।
45	मार्च, 2016	वाई ई सी (युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन औरंगाबाद)	देशभर के 159 बच्चों ने इसमें भाग लिया।
46	15.3.2016 से 23.4.2016	समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई टी पी)	63 अध्यापकों ने इसमें भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

- 1 से 17 सितम्बर 2015 के बीच राष्ट्रीय बाल भवन की 3 दिवसीय कार्यशालाओं में 8 सरकारी स्कूलों के 4048 बच्चों ने भाग लिया। 17 से 29 सितम्बर 2015 के बीच 3 दिन तक आयोजित गतिविधियों में 7 सरकारी स्कूलों के 2329 बच्चों ने भाग लिया।
- 5 सितम्बर, 2015 को भारत के महामहिम राष्ट्रपति एंव मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यता में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने समूह गान प्रस्तुत किया।
- विदेशों तथा एमिटी इन्टरनेशनल स्कूलों के बच्चों सहित 50 बच्चों ने 8 अक्तूबर 2015 को पारम्परिक कला, शिल्प और लोक संगीत की गतिविधियों में भाग किया।
- राष्ट्रीय बाल भवन का स्टाफ, राष्ट्रपति भवन के स्टाफ के बच्चों के लिए 31 दिसम्बर 2015 से गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।
- राष्ट्रीय बाल भवन की वार्षिक सदस्यता 5614 रही (3388 लड़के एवं 2226 लड़कियां) जिनमें अ.जा./अ.ज.जा/अन्य पिछड़ा वर्ग के 1481 बच्चे भी शमिल है। जवाहर बाल भवन मांडी मे 396 बच्चों ने पंजीकरण कराया। दिल्ली के 48 बाल भवन केन्द्रों में 12499 बच्चों का पंजीकरण किया गया।
- अमृतसर में बाघा बार्डर पर 25 और 26 जनवरी 2016 को सीमा दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने राष्ट्रभक्ति के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए।
- राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन (मांडी) तथा भारत के विभिन्न मान्यता प्राप्त बाल भवन, बाल भवन केन्द्रों में 21 फरवरी, 2016 का मातृभाषा दिवस आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, मांडी में 707 बच्चों ने भाग लिया तथा देश भर में अनेक बच्चों ने भाग लिया।
- 1 जनवरी, 2016 से 7 जनवरी, 2016 तक बच्चों के लिए सृजनात्मक खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 200 बच्चों ने भाग लिया।

सहयोगात्मक कार्यक्रम

- भारतीय बाल चित्र समिति (सी एफ एस आई)के सहयोग से 12 मई से 19 जून, 2016 तक बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया गया, इसमें 2500 से ज्यादा बच्चों ने फिल्में देखीं।
- नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी ने 25 मई, 2015 को 200 बच्चों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। यह कार्यक्रम ऑल इंडिया रेडियो के सहयोग से आयोजित किया गया।
- केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के सहयोग से 30 मई, 2015 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 3000 बच्चों ने तम्बाकू, धूम्रपान आदि से दूर रहने की शपथ ली।

स्टाफ सदस्यों एवं वयस्कों के लिए कार्यक्रम

- राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन मांडी के 27 स्टाफ सदस्यों ने 17 जुलाई, 2015 को कम्प्यूटर कार्यशाला में भाग लिया।
- 1 सितम्बर से 17 सितम्बर, 2015 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसमें 50 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
- 15 जुलाई से सितम्बर 2015 के तृतीय सप्ताह तक राष्ट्रीय बाल भवन और उदयपुर में 16 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के लिए आऊट डोर फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 42 सहभागियों ने भाग लिया।
- 7 अप्रैल, 2015 से 6 मई, 2015 मे वयस्कों के लिए समन्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 63 सहभागियों ने भाग लिया। उत्तराखण्ड के सरकारी स्कूलों के 21 अध्यापकों के लिए 14 से 23 सितम्बर, 2015 तक समन्वित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री एम.पी. नैथानी, शिक्षा राज्य मंत्री, उत्तराखण्ड ने सहभागियों को प्रमाण पत्र वितरीत किए। 12 जनवरी से 16 फरवरी, 2016 तक 84 सहभागियों के लिए समन्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 63 सहभागियों ने दिनांक 15 मार्च से 23 अप्रैल 2016 के आई.टी.पी. (*इंटीग्रेटिड ट्रेनिंग प्रोग्राम*) में भाग लिया।

विशेष बच्चों के लिए कार्यक्रम

- 40 विशेष बच्चों (मन्द बुद्धि) ने ग्रीष्मोत्सव, 2015 में भाग लिया।
- 23 विशेष बच्चे (मन्द बुद्धि) बाल फिल्म उत्सव में आए।
- ताल कटोरा स्टेडियम में 22 जून, 2015 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शारीरिक दृष्टि से दिव्याँग 5 बच्चों ने भाग लिया।
- 31 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2015 तक आयोजित राज्य स्तरीय बाल श्री शिविर में 103 दिव्याँग एवं निराश्रित बच्चों ने भाग लिया। अ.जा./अ.ज.जा./निराश्रित/दिव्याँग बच्चों को सहभागिता के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता प्रदान किया गया।
- विशेष श्रेणी से सबंधित 4 बच्चों को 3 फरवरी, 2016 को बाल श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 23 दिव्याँग (शारीरिक दृष्टि से दिव्याँग) बच्चों ने लर्निंग लिंक फाउण्डेशन के सहयोग से आयोजित कम्प्यूटर कार्यशाला में भाग लिया।

विस्तृत रिपोर्ट

ग्रीष्मोत्सव, 2015

राष्ट्रीय बाल भवन में 12 मई से 19 जून तक ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया गया। 5466 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता के लिए पंजीकरण कराया। बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत बाल भवन केन्द्रों के बच्चों ने भी ग्रीष्मोत्सव के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में भाग लिया। इस ग्रीष्मोत्सव की विशेषता ऊर्जा उत्सव था जो 22 मई से 18 जून तक चला जिसके दौरान बच्चों को लब्ध-प्रतिष्ठित कलाकारों के व्याख्यान-सह-प्रदर्शन में भाग लेने का अवसर मिला। इस ऊर्जा उत्सव का आयोजन "सुर और साज़" एजेंसी के सहयोग से किया गया। इस उत्सव के लिए निम्नलिखित कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कलाकार	विधा/प्रदर्शन	दिनांक
पं. संजीव व अश्विनी शंकर	शहनाई जुगलबंदी	22 मई
पं. शुभेन्द्र व ससकिया राव	सितार जुगलबंदी	23 मई
श्रीमती सुनन्दा शर्मा	ठुमरी	29 मई
श्री विवेक सोनर	बांसुरी	30 मई
गुरू शोभा कोसर	कत्थक नृत्य	5 जून
पं. गणेश कुमार	कर्नाटक संगीत व अभंग	6 जून
उस्ताद मुराद अली	सारंगी	13 जून
पं. तरूण भट्टाचार्य	संतूर	16 जून
पं. रितेश व रजनीश मिश्रा	कंठ जुगलबंदी	17 जून
पंडिता अनुराधा पाल	एकल तबला	18 जून

16 और 17 जून को बाल सदस्यों के लिए दिल्ली दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अर्न्तगत बच्चों ने गांधी संग्रहालय, राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय, शांति स्तूप, इंडिया गेट और सर्वोच्च न्यायालय का भ्रमण किया। 2500 से ज्यादा बच्चों ने इन स्थानों का दौरा किया। ग्रीष्मोत्सव के दौरान निम्नलिखित कार्यशालायें आयोजित की गई, कांच पर पेंटिंग, कैलीग्राफी, संचार एवं सार्वजनिक भाषण, जेवर बनाना, समाचार पत्र, बुनाई इत्यादि। भारतीय बाल चलचित्र समिति के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव का आयोजन 21 मई से 18 जून तक किया गया, जिसमें निम्नलिखित फिल्में दिखाई गई।

बाजा, दी गोल, फोटो, छू लेंगे आकाश, गिल्ली-गिल्ली आट्टा।

प्रतिदिन करीब 3000 बच्चों को कार्यक्रम अनुभाग द्वारा दैनिक आधार पर अल्पाहार वितरित किया गया।

5 जून, 2015 – विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून, 2015 को विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय बाल भवन ने 2 जून से 5 जून तक सप्ताह पर्यन्त गतिविधियों का संचालन किया। इसका थीम "सात बिलियन स्वप्न – एक भूमण्डल, सावधानी बरते" और उप-थीम "मातृभूमि से सीखें" रखा गया।

प्रकाशन एवं पुस्तकालय अनुभाग के बच्चों ने भूमण्डल विषय पर अपने सपनों को लेकर लिखा। पर्यावरण अनुभाग ने कम्पोस्ट गतिविधि का संचालन किया। मत्स्य पालन अनुभाग ने मछली घरों में हाईड्रोपोनिक्स गतिविधि का संचालन किया। विज्ञान अनुभाग ने सी ई ई और इन्नर व्हील क्लब के सहयोग से एल ई डी आधारित प्रौद्योगिकी पर विशेष जोर देते हुए दीर्घकालिक प्रौद्योगिकी पर कार्य किया। राष्ट्रीय बाल भवन के निष्पादन कला अनुभाग ने 'मेरे सपनों की धरती' नाटक, गायन, नृत्य विधा पर आन्तरिक कार्यशालाओं का आयोजन किया। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग से डा. साबथ, वैज्ञानिक को इस विषय पर बच्चों के साथ 'दीर्घ जीवन के लिए पृथ्वी से समाधान की खोज' विषय पर वार्त्ता के आयोजन के लिए आमन्त्रित किया गया था। कम्प्यूटर अनुभाग ने पृथ्वी पर पी पी टी तैयार की और फोटोग्राफी अनुभाग ने इस कार्यक्रम पर एक विडीयो तैयार किया।

250 बच्चों को नेहरू तारामंडल ले जाया गया। तारामंडल में आकाश के दर्शन के साथ डा. नन्दीवदे रत्नाश्री ने एक विशेष वार्त्ता का आयोजन किया। सी सी ई और हील्स फाउण्डेशन के सहयोग से बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहभागी बच्चों ने बोतल में पौधा रोपण के साथ-साथ वृक्षारोपण, कागज बनाना तथा कागज से सृजनात्मक उत्पादों का निर्माण किया।

5 जून, 2015 को ओपन एअर हाल में करीब 3000 बच्चों ने भव्य रंगारंग कार्यक्रम में भाग लिया। सदस्य बच्चों द्वारा उपरोक्त थीम पर गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए। सिंगापुर हाईड्रोपोनिक्स के श्री प्रभाकर इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। तदुपरान्त बच्चों ने 'परिसर की स्वच्छता' गतिविधि में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर 2015 कार्यक्रम सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर, 2015 का आयोजन 14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2015 तक किया गया, जिसमें देशभर के मान्यताप्राप्त बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 300 सदस्य बच्चों तथा 60 एस्कोर्ट ने भाग लिया। इस सभा का थीम 'मेरा गाँव-मेरा गौरव' था। स्वच्छ खुले मैदान में ग्रामीण परिवेश के दौरान संचालित समस्त गतिविधियाँ एवं कार्यशालायें इसी थीम के इर्द-गिर्द रही। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने दीप प्रज्ज्वलित करके एवं एक डोर में बंधी अनेक पतंगों को उड़ाकर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय बाल भवन की सम्पूर्ण टीम के कड़े परिश्रम से तैयार किया गया रंगारंग कार्यक्रम भव्य था।

श्रोताओं, (मुख्यत: बच्चों) को सम्बोधित करते हुए माननीय मंत्री ने सभी से अनुरोध किया कि वे कुछ ही घण्टे पूर्व पैरीस आतंकी हमले में हताहत लोगों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखें। 'मेरा गाँव – मेरा गौरव' थीम पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने बच्चों से अपने पूर्वजों के गाँवों की, उनके अस्तित्व की खोज करने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करने में अध्यापकों के योगदान के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि स्कूलों में भी संस्कृति शिक्षक होने चाहिए। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि बाल श्री विजेताओं को परिणाम घोषित होने के तुरन्त पश्चात् सम्मानित किया जाना चाहिए और पुरस्कार विजेताओं को अपनी उस कला की प्रस्तुति देनी चाहिए जिसके लिए वे पुरस्कृत हुए हैं। देश का प्रतिनिधित्व कर 47 टीमों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह में दिल्ली के विभिन्न बाल केन्द्रों से 1000 तथा जवाहर बाल भवन, माण्डी ग्रामीण शाखा से 100 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने उनके लाभार्थ विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से संस्कृति एवं विभिन्न कलाओं की काफी जानकारी प्राप्त की। विख्यात कलाकारों को आमंत्रित किया गया, जिनसे बच्चों ने विभिन्न कलाओं को सीखा।

- सूत की कताई – गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य संस्थान की सुश्री इन्दु बाला के प्रयासों से सम्पन्न।
- बांस की कला – श्री राम किशन
- कठपुतली – श्री बिल्लू राम भट्ट एवं दिलीप
- मेहन्दी – सुश्री निर्मल गुप्ता
- पतंग बनाना – आसिफ मियां एवं उनकी टीम
- मिट्टी के बर्तन बनाना – श्री राज कुमार

विभिन्न बाल भवनों से प्राप्त पेंटिंग और छायांकनों को संग्रहालय टीम द्वारा एक प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शित किया गया, जिसमें देश के सभी 36 राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों की झलक प्रतिबिम्बित हुई।

इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागी छात्र भी सम्मिलित हुए, ये प्रतियोगितायें थीं :-

- लोक नृत्य – 27 टीमें
- लोग गीत – 21 टीमें
- नुक्कड़ नाटक – 9 टीमें
- परिचर्चा – 12 बच्चों ने भाग लिया।
- ग्राम पंचायत व ग्राम समिति परिचर्चा – 23 बच्चे

सुश्री अनुराधा पाल जिन्होंने निम्नलिखित विख्यात कलाकारों के माध्यम से कला के विभिन्न रूपों के प्रदर्शन द्वारा बच्चों के लिए सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया :-

- श्री शशाधर आचार्य – छाऊ
- पद्मश्री शोवना नारायण – कत्थक
- पद्मश्री माधवी मुद्गल – ओडिशी
- पद्मश्री दर्शना झावेरी – मणिपुरी
- श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद – भरतनाट्यम
- सुश्री अनुराधा पाल ने उद्घाटन दिवस के साथ-साथ समापन समारोह के दौरान तबले पर अपनी अद्भुत जुगलबंदी प्रस्तुत की।

8 बच्चों और 1 एस्कार्ट की काबुल की टीम भी समारोह में शामिल हुई है।

बच्चों ने श्री बिल्लू भट्ट और उनकी टीम द्वारा कठपुतली प्रदर्शन तथा डॉ. वीना गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन जी बी पी आर, पूसा द्वारा दिया गया व्याख्यान सुना व प्रस्तुति भी देखी।

सदस्य बच्चों को राष्ट्रीय संग्रहालय, शिल्प संग्रहालय, गांधी स्मृति संग्रहालय तथा कृषि संग्रहालय के माध्यम से हमारी संस्कृति एवं परम्परा की झलक देने की दृष्टि से दो दिन दिल्ली के विभिन्न संग्रहालयों में भी ले जाया गया। समापन समारोह के दौरान काबुल के बच्चों समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

सीमा दर्शन

25 बच्चों तथा 5 अनुदेशकों की एक टीम ने प्रेरित होकर अपने पूरे जोशो–खरोश तथा भावपूर्ण कला प्रदर्शन द्वारा बाघा अटारी स्थित भारत–पाकिस्तान सीमा पर मौजूद सभी नागरिकों, सैनिकों, भारतीय सेना के अधिकारियों और दर्शकों का दिल जीत लिया।

अध्यक्ष एवं निदेशक के साथ आयोजन पूर्व टीम की पुनरीक्षण बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रत्येक गीत एवं नृत्य हमारे सैनिकों के दिलों को छूने वाला हो। सीमा दर्शन की बैठकों में विचार–विमर्श किया गया। तदुपरान्त इस कार्यक्रम की उम्मीदों, चुनौतियों को लेकर सीमा सुरक्षा बल और भारतीय सेना के अधिकारियों के साथ बैठकें की गईं।

राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चे अपने असली हीरोज के साथ प्रसन्न एवं आश्वस्त थे कि घर लौटने के बाद जीवन में एक बार मिलने वाले क्षणों की ये तस्वीरें उनकी यादों में ताजा रहेंगी।

67 वें गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय बाल भवन के नन्हें कलाकारों का दल उत्साह एवं देशभक्ति से ओत–प्रोत था जिन्होंने बाघा अटारी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय बाल श्री सम्मान समारोह – 2013

राष्ट्रीय बाल श्री सम्मान समारोह का आयोजन 3 फरवरी, 2016 को विज्ञान भवन में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने 2013 के 62 विजेताओं को बाल श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह में बच्चों के अभिभावकों एवं संबंधित बाल भवनों के निदेशकों को भी आमंत्रित किया गया था। माननीय मंत्री महोदया द्वारा दीप–प्रज्ज्वल तथा राष्ट्रीय बाल भवन के कलाकार बच्चों द्वारा समूह गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। श्री जाने आलम, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 200 सदस्य बच्चे इस कार्यक्रम में मौजूद थे। सृजनात्मक लेखन में पुरस्कार विजेता बच्चों ने मानव संसाधन विकास मंत्री को स्वच्छता अभियान विषय पर स्वरचित कविता की एक स्क्राल भेंट की, जो समारोह के पूर्व उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन में शिविर के दौरान लिखी थी। सृजनात्मक कला के बच्चों ने बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ विषय पर एक पेंटिंग भेंट की। सृजनात्मक कलाकार बच्चों ने संगीत एवं नृत्य का सम्मिश्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया। माननीय मंत्री जी ने बच्चों को बधाई दी और भावी जीवन में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अधिकारियों से अपील की कि वे भविष्य में पुरस्कार विजेताओं के गुरूजनों को भी सम्मानित करें।

21 फरवरी, 2016 को मातृ-भाषा दिवस का आयोजन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 21 फरवरी, 2016 को "मातृभाषा दिवस" राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी एवं देशभर के संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों द्वारा मनाया गया। राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 21 फरवरी, 2016 (रविवार) को मातृभाषा दिवस पूरे मनोयोग से मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था – बच्चों को मातृभाषाओं के प्रति संवेदनशील बनाना एवं भारत की विविध भाषाई विरासत के बारे में जानकारी देना। अन्य उद्देश्य था भारत की 3000 मातृभाषाओं का संरक्षण।

सदस्य सरकारी स्कूलों के बच्चों जैसे : सर्वोदय बाल भवन, रोशनआरा रोड; एस बी एम सीनियर सैकण्डरी स्कूल, शिवाजी मार्ग; राजकीय बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल नं. 1, नजफगढ़; आन्ध्र एजूकेशन सोसायटी, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग; नवशक्ति बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल एवं राजकीय सह-शिक्षा सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सैक्टर-XI, रोहिणी; राजकीय बाल सीनियर सैकण्डरी स्कूल, मयूर विहार, फेस-3; राजकीय बाल सीनियर सैकण्डरी स्कूल, राऊज एवन्यू; राजकीय बाल सीनियर सैकण्डरी स्कूल, पंडारा रोड एवं राष्ट्रीय बाल भवन के बाल सदस्य एवं भ्रमण हेतु आने वाले बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

457 बच्चों ने तथा 33 अध्यापकों ने राष्ट्रीय बाल भवन में आशु भाषण प्रतियोगिता में भी भाग लिया, जहाँ युवा बच्चों के उर्वरा मस्तिष्क से निकले विचारों को निर्णायकों, अध्यापकों एवं श्रोताओं ने काफी सराहा। सहभागियों ने स्वच्छ भारत, शिक्षा, भाषा महिलाओं की समस्याओं, जे.एन.यू. की ज्वलन्त समस्या, प्रदूषण मुक्त दिल्ली जैसे मुद्दों पर अपने विषय का प्रतिपादन अपनी मातृभाषा में जैसे कि तेलगु, गढ़वाली, मैथिली, भोजपुरी, पंजाबी, हिन्दी आदि में किया।

गायन प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा अपनी मूल एवं क्षेत्रीय भाषाओं में प्रस्तुतियों द्वारा सभी को भारत की समृद्ध विविधपूर्ण संस्कृति के दर्शन हुए। राजस्थानी, ब्रज, संस्कृत, असमी, तेलगु, गढ़वाली, मैथिली, भोजपुरी, मराठी, पंजाबी, हिन्दी, उर्दू, कुमाऊंनी भाषाओं में बच्चों ने अपने गीत प्रस्तुत किए। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किये गये।

'मेरी भाषा' विषय पर पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। उत्साह से भरे बच्चों (10-16 वर्ष) ने पेंसिल, रंग के साथ कागज पर अपने भावों को उकेरा और गुरमुखी, देवनागरी, बंगाली आदि विषयों को अपनी पेंटिंग में इस्तेमाल किया।

32वां अखिल भारतीय बाल भवन निदेशकों एवं अध्यक्षों का सम्मेलन

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 32वें अखिल भारतीय बाल भवन निदेशकों एवं अध्यक्षों का सम्मेलन 29 फरवरी से 1 मार्च, 2016 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया गया। सम्मेलन की शुरूआत 29 फरवरी, 2016 को मुख्य अतिथि श्री जे.आलम, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उद्घाटन सत्र से हुई। श्री आलम ने सहभागियों का ध्यान सदस्यता संख्या बढ़ाने तथा जरूरत मंद बच्चों को सुविधाओं एवं संसाधन जुटाने के नवोन्मेषी उपायों पर विचार-विमर्श करने एवं उनका समाधान खोजने की ओर आकृष्ट किया।

अगले सत्र में कुछेक राज्य बाल भवनों के निदेशकों ने अपने कार्यों, पहल, समस्याओं तथा संबंधित बाल भवनों में शुरू किए गए कार्यक्रमों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सांझा किया। यह सत्र 'बाल भवन में बच्चों का अध्ययन सुनिश्चित करने के लिए नवोन्मेषी उपायों पर परिचर्चा एवं प्रस्तुतियां' विषयों पर था तथा इस सत्र के पैनलिस्ट थे – प्रो. एम.एम. पंत सलाहकार, इग्नू, स्मिता वत्स, संस्थापक एवं निदेशक, इतिहास, श्री शाह जी, न्यासी एवं सह-संस्थापक जोड़ो ज्ञान-शैक्षणिक संगठन, डा. सुजीत रंजन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मैजिक बस इंडिया फाउण्डेशन तथा डा. जयंती रामचन्द्रन, मीरांबिका सेंटर फॉर इंटीगरल एज्यूकेशन की प्रमुख।

मध्यान्ह भोज के उपरान्त "सी.डब्लू.एस.एन. बच्चों को बाल भवन में नवोन्मेषी गतिविधियों के माध्यम से संलिप्त करना विषय पर एक और पैनल परिचर्चा थी। इस सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय बाल भवन की उपाध्यक्ष, डा. इन्दुमती राव ने की। अन्य सह पैनलिस्टों में कु. स्मीनू जिन्दल, जिन्दल सॉ तथा डा. सायरा वर्गीस, सदस्य, प्रबन्धन मंडल, राष्ट्रीय बाल भवन शामिल थे।

1 मार्च, 2016 को सम्मेलन के दूसरे दिन 'पर्यावरणीय गतिविधियों में बच्चों को संलिप्त करने के लिए रणनीतियों का निर्माण' विषय पर प्रस्तुति एवं परिचर्चा रही। इसमें भाग लेने वाले विशेषज्ञों में श्री ज्ञानेन्द्र कुमार, सहायक आयुक्त (अकादमिक), नवोदय विद्यालय, डा. बी.सी. साबत, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार तथा कु. लिवलीन कहलो, एसोसिएट डायरेक्टर, सतत विकास अभिकल्प तथा युवा शिक्षा, टेरी ने भाग लिया। शेष सत्रों में 'पर्यावरणीय गतिविधियों में बच्चों को संलिप्त करने के लिए रणनीतियों का निर्माण' विषय पर सामूहिक परिचर्चा रही। इस सत्र में बाल भवनों के निदेशकों एवं अधयक्षों को सामूहिक परिचर्चा के प्रयोजनार्थ समूहों में विभक्त किया गया था।

अगले सत्र में परामर्शदाता (सी एण्ड आर) द्वारा प्रस्तुति के माध्यम से 'राष्ट्रीय बाल भवन की अनुदान योजना' इसके मानदण्ड, नियम एवं विनियम विषय पर बाल भवनों के निदेशकों एव अध्यक्षों की जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों को एक तालिका वितरीत की गई, जिसे अनुदान जारी करने के सम्बंध में राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा तैयार किया गया था। राष्ट्रीय बाल भवन ने अनुदान जारी करने के बारे में जानकारी दी और सभी बाल भवनों से इनका पालन करने को कहा गया।

राज्य बाल भवनों के निदेशकों के प्रश्नों के भी उत्तर दिए गए। मध्यान्ह भोजन के उपरान्त बाल श्री के परामर्शदाता ने 'संशोधित बाल श्री योजना' प्रस्तुत की जिसके उपरांत बाल भवनों के निदेशकों व अध्यक्षों के साथ विचार विमर्श हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक श्रीमती अनामिका सिंह ने की। सभी उपस्थित जन के प्रति धन्यवाद के साथ सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

पैनल विचार-विमर्श तथा पैनलिस्ट के साथ प्रतिनिधियों के परस्पर विचार विमर्श से यह निष्कर्ष सामने आया –

- इस तथ्य पर विचार करते हुए कि स्कूल शिक्षा का परिदृश्य बदल गया है, बाल भवनों की भूमिका अधिकाधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। बाल भवनों को दो बातों पर काम करना होगा, पंजीकरण में वृद्धि और दूसरा अपनी गतिविधियों में विस्तार और सभी जरूरतमंद बच्चों तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करना।
- बाल भवनों के प्रमाण पत्रों को नौकरी के प्रयोजनार्थ मान्यता दिलाने के लिए प्रयास करना जिससे बाल भवन गतिविधियों का महत्त्व बढ़ने के साथ पंजीकरण में वृद्धि में सहद हो सके।
- बाल भवनों को बच्चों के अपने अतीत के साथ-साथ भविष्य से जोड़ने के लिए काम करना चाहिए और बच्चों में इसके प्रति जागरूकता पैदा करनी चाहिए।
- सभी क्षेत्रों में सृजनात्मकता महत्वपूर्ण स्थान पा चुकी है, इस बदले परिदृश्य में यह चुने क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं। इस बदले परिवेश में नई-नई बात जानने हेतु कम्प्युटर क्लबों का निर्माण करना चाहिए।
- बाल भवन के दिव्याँग बच्चों को अपनी नियमित गतिविधियों के साथ-साथ सभी छोटे-बड़े कार्यक्रमों में भी शामिल करना चाहिए। उनके प्रशिक्षण को लेकर चर्चा की गई। वर्तमान स्टाफ को सी डब्ल्यू एस एन के अनुरूप प्रशिक्षित करना चाहिए और निष्कर्षतः यह तय हुआ कि स्टाफ को बच्चों के साथ निकटता बनाकर इसे हल करना चाहिए। बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सर्वप्रथम सभी बाल भवनों को अपनी वर्तमान संसूचना की लेखा परीक्षा करनी होगी ताकि यह ज्ञात हो सके कि इसकी सार्वभौमिक पहुंच है कि

नहीं। यदि यह जरूरी न हो तो बच्चों के इस वर्ग को शामिल करने के लिए आवश्यक बदलाव किए जाएं और इससे बाल भवन सी डब्लू एस एन की दिशा में अन्य बच्चों को संवेदनशील कर सकते हैं।

- चूंकि दिव्याँग बच्चों की बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में है और उन तक नहीं पहुंचा जा सकता, बाल भवन जिला और तालुक स्तर पर इन तक पहुंच बनाने में मदद कर सकते हैं।
- राष्ट्रीय बाल भवन को एक छः माही समृद्ध पाठ्यक्रम विकसित करना चाहिए।

गरवारे बाल भवन औरंगाबाद में 24वां राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विद् सम्मेलन का आयोजन

थीम : प्रकृति के संरक्षक

राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली द्वारा 28 मार्च से 30 मार्च, 2016 तक गरवारे बाल भवन, औरंगाबाद में 24वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन, 2015 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के करीब 200 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मिजोरम, केरल, गुजरात, तमिलनाडू, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश, बिहार आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के विभिन्न भागों से सहभागी छात्र शामिल हुए।

28 मार्च की प्रातः नृत्य की प्रस्तुति के साथ उद्घाटन कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसके पश्चात् गरवारे बाल भवन, औरंगाबाद के छात्रों ने एक गीत प्रस्तुत किया। मंच पर, मुख्य वन संरक्षक, औरंगाबाद श्री ए.आर. पांडे, पुरातत्व विभाग, औरंगाबाद के उप-अधीक्षक श्री शिव कान्त वाजपेय, आवासीय उप-कलेक्टर, औरंगाबाद श्री विशम्भर गवांडे, पूर्व सहायक वन संरक्षक श्री राजेन्द्र ढोंडगे, गरवारे पॉलिएस्टर लि. के निदेशक श्री अनिल भालेराव, राष्ट्रीय बाल भवन से श्रीमती आशा भट्टाचार्जी तथा गरवारे बाल भवन के निदेशक श्री सुनील सुतावाने विराजमान थे। इसके पश्चात् मंच से सहभागी बच्चों को सम्बोधित किया गया। तदुपरान्त, स्थानीय स्मारकों की सत्र में जानकारी दी गई। प्रो. दुलारी कुरैशी ने एलोरा गुफाओं, नेहर-ए-अम्बरी, पनचक्की तथा बीवी का मकबरा स्मारकों के सम्बंध में व्याख्यान दिया।

अगला सत्र लोनार क्रेटर के विषय में था। इस सत्र का संचालन डा. एस.के. कुलकर्णी, नान्देड ने किया, जिन्होंने इसकी संरचना, लोनार क्रेटर के निर्माण तथा इससे जुडी विभिन्न किवदन्तियों के बारे में मार्ग दर्शन किया। छात्रों को यह तथ्य जानकर आश्चर्य हुआ कि लोनार, क्रेटर विश्व का तीसरा विशालतम क्रेटर है, जिसके पश्चात् अमरीका में अरियोना क्रेटर आता है। डा. एल.के. कुलकर्णी द्वारा दी गई जानकारी छात्रों के लिए काफी महत्त्वपूर्ण थी, क्योंकि अगले ही दिन छात्रों का लोनार क्रेटर जाने का कार्यक्रम निर्धारित था। इस सत्र के पश्चात पक्षियों को निहारने पर एक व्याख्यान रखा गया। इस सत्र में छात्रों को पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में बताया गया, जो केवल भारतीय उप महाद्वीप के साथ-साथ समूचे विश्व में पाई जाती हैं। श्री यार्डी ने इस सत्र का संचालन किया। श्री यार्डी ने इस सत्र का परिसमापन किया। इस दिन पक्षियों के विषय में सत्र के उपरान्त स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ सहभागी छात्रों ने एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

29 मार्च को प्रात: 5:45 बजे सभी छात्रों ने अपने एस्कोर्ट के साथ औरंगाबाद लोनार के लिए प्रस्थान किया। छात्र 11:00 बजे लोनार पहुंच गए। लोनार का प्राकृतिक सौंदर्य देखकर छात्रों को आश्चर्य हुआ। छात्रगण एम टी डी सी रिजार्ट पहुंचे, जहाँ से उन्हें दो समूहों में बांट दिया गया और गाईड के मार्गदर्शन वे घूमने निकल गए। गाईड राठौड ने उन्हें लोनार झील और इसकी विभिन्न रोमांचक विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। गाईड ने बताया कि क्रेटर के आस-पास करीब 125 मन्दिर बने हुए हैं और इसके साथ अनेक पौराणिक घटनायें जुड़ी हैं। इसे महाराष्ट्र की मृत झील के रूप में भी जाना जाता है। इसमें कोई जीव-जन्तु जिंदा नहीं रह पाता। चूंकि लोनार में पानी का घनत्व काफी ऊँचा है, कोई इसमें डूब नहीं सकता। गाईड ने यह विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोग करने का कहा। इसके बाद छात्रों ने पर्वतों पर चढ़ाई शुरू कर दी। गर्मी का प्रचण्ड बढ़ने लगा था। इसके बाद सभी लंच के लिए वापस बस में चढ़ गए। एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का सत्र रखा गया था, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

30 मार्च की प्रात: छात्रों ने गाईड के रूप में प्रो. दुलारी के साथ एलोरा गुफाओं का दौरा किया। यह गुफा एकल नक्काशी पत्थर से निर्मित है। छात्रों ने कैलाश मन्दिर देखा और वापस औरंगाबाद आ गए। औरंगाबाद लौटने पर लंच का कार्यक्रम था और गरवारे बाल भवन के निदेशक श्री सुनीत सुतावाने और राष्ट्रीय बाल भवन की सहायक निदेशक (विज्ञान) ने प्रेरणास्पद आर्शीवचन कहे। अन्त में चित्र प्रतियोगिता में सर्वोत्तम चित्रकार को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रत्येक बाल भवन तथा छात्र व एस्कोर्ट को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप दिए गए। इसके अंत: सम्मेलन के पहले ही दिन से मदद करने वाले वालिंटियरों को भी सम्मानित किया गया। इस प्रकार 24वां राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन समाप्त हो गया।

राजभाषा कार्यान्वयन

राष्ट्रीय बाल भवन राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के सम्बंध में सरकार के आदेशों का निष्ठापूर्वक कार्यान्वयन करता है। राज्य सेवाएं, स्थानीय निकायों तथा हिन्दी का प्रयोग करने वाले लोगों के साथ पत्राचार में हिन्दी का प्रयोग किया जाता है। बच्चों का निर्देश अधिमानत: हिन्दी में दिए जाते हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय में दिशाबोध हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। 'हिंदी पखवाड़े' के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ सदस्यों के लिए एक विशेष परिपत्र जारी किया गया कि वे अपने समस्त कामकाज में हिन्दी में सम्पन्न करें। सभी प्रतियोगिताओं में अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के स्टाफ सदस्यों ने भी भाग लिया तथा समस्त कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन में सभी प्रयोजनों के लिए हिन्दी का प्रयोग किया जाता है।

हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रीय बाल भवन में 1 से 15 सितम्बर, 2015 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान 9 प्रतियोगितायें आयोजित की गई जिनमें समूह 'घ' के कर्मचारियों के लिए श्रुतलेख तथा वाक्य विन्यास का विशेष आयोजन किया गया, जबकि सामान्य हिन्दी ज्ञान परीक्षा, टिप्पण और आलेखन, निबंध/आलेख, हिन्दी टंकण, नारा लेखन तथा आशुभाषण व मौलिक कविता जैसी 7 प्रतियोगितायें सभी कर्मचारियों के लिए थी। इस वर्ष 'हिन्दी पखवाड़े' के आयोजन का आकर्षण यह भी था कि राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ के साथ-साथ सदस्य स्कूलों तथा बाल भवन केन्द्रों के बच्चों की सहभागिता रही। सभी बच्चों तथा कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य प्रतियोगिता पुरस्कारों के अलावा, राजभाषा विभाग के मार्गदर्शी-निर्देशों के अनुरूप सरकारी काम काज हिंदी में सम्पन्न करने वाले 3 स्टाफ सदस्यों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

6 नवम्बर, 2015 को राष्ट्रीय बाल भवन (पुस्तकालय अनुभाग) में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-डा. ऊषा कुमारी, एम.सी. एवं उपनिदेशक (प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से विजेता स्टाफ व बच्चों को पुरस्कार वितरीत किए। विजेताओं और सहभागियों का प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

साठ के दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन स्थापित करने की एक योजना प्रारंभ की गई । देश के विभिन्न राज्यों में कई बाल भवन स्थापित किए गए और राज्यों में स्थित इन बाल भवनों के लिए एक 'नोडल एजेंसी' के रूप में कार्य करने हेतु उन प्रदेशों में जवाहर बाल भवनों की स्थापना की गई। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन उसी योजना का विस्तार था, जिसे प्रारंभ में 'नेहरू स्मारक निधि' द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई । माण्डी स्थित इस ग्रामीण बाल भवन ने सन 1972 में माण्डी गाँव की 'चौपाल' में कार्य करना प्रारंभ किया।

3 फरवरी, 1973 को बाल भवन की इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा किया गया और उसे नाम दिया गया जवाहर बाल भवन, माण्डी। माण्डी की ग्राम सभा द्वारा उपलब्ध कराई गई लगभग 4.75 एकड़ जमीन पर स्थित यह ग्रामीण केंद्र माण्डी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी व ग्वाल पहाड़ी, बंधवाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है। इस जवाहर बाल भवन में शारीरिक शिक्षा, कला व शिल्प, सिलाई, काष्ठशिल्प तथा क्ले मॉडलिंग की गतिविधियाँ उपलब्ध हैं। माण्डी बाल भवन ने ग्रामीण बच्चों की रुचि का काफी परिष्कार किया है तथा हाल ही में लोकप्रियता तथा मांग को देखते हुए फोटोग्राफी तथा कम्प्यूटर जागरूकता कार्यकलाप भी यहाँ प्रारंभ किया गया है।

माण्डी तथा अन्य निकटवर्ती गाँवों के बच्चों के मानसिक, शारीरिक तथा सांस्कृतिक विकास में जवाहर बाल भवन, माण्डी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण बाल भवन कम्प्यूटर, सिलाई तथा बुनाई मशीनों व पुस्तकालय आदि से सुसज्जित हैं। शिल्पकला, मूतिकला, पेंटिंग, काष्ठ-शिल्प, फोटोग्राफी आदि को सीखने के पर्याप्त अवसर यहाँ उपलब्ध हैं तथा आसपास के गाँवों के बच्चे अपने समग्र विकास हेतु इनका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। बच्चों को विभिन्न विषयों संबंधी नवीन जानकारी प्रदान करने हेतु समय-समय पर यहाँ विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं में मेहंदी लगाने/रचाने की पारंपरिक कला, जिल्दसाज़ी, स्क्रीन-प्रिंटिंग, पतंग बनाने की कला, पेपर-मैशी, मूकाभिनय, संगीत, एऑरो मॉडलिंग, मछलीघर बनाने, मछली पालन तथा घरेलू उपकरणों की मरम्मत की कार्यशालाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम जवाहर बाल भवन, मांडी 2015-16

क्र.सं.	दिनाँक	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1	20.10.2015 से 23.10.2015	स्केचिंग व पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट गतिविधियाँ	100 बच्चों ने भाग लिया।
2	27.10.2015	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	20 स्टाफ सदस्यों व बच्चों ने भाग लिया।
3	07.11.2015	रियान इन्टरनैशनल स्कूल, गुड़गांव का मांडी दौरा	160 स्कूली बच्चों ने ज.बा.भ. मांडी और शिल्प कला में भाग लेने हेतु दौरा किया।
4	19.11.2015	श्रीमती इंदिरा गांधी का जन्म दिवस - तारा मंडल गतिविधि	87 बच्चों ने भाग लिया।
5	31.11.2015	राष्ट्रीय एकता दिवस	25 स्टाफ व बच्चों ने भाग लिया।
6	26.12.2015	क्रिसमत पर्व का आयोजन	27 बच्चों ने भाग लिया।
7	12.11.2015	दिल्ली स्कूलों में कार्यरत बाल भवन केन्द्र के अनुदेशकों के साथ बैठक	30 बा.भ.के. के अनुदेशकों ने भाग लिया।
8	14.11.2015	चाचा नेहरू को श्रद्धांजलि	105 बच्चों ने भाग लिया।
9	09.12.2015 से 26.12.2015	हरित वाहिन (बच्चों की हरित सेना) द्वारा बगीचों का सम्मवेषण	40 बच्चों ने भाग लिया।
10	12.12.2015 से 19.12.2015	बाल श्री विजेताओं-1997 द्वारा नाट्य सत्र - श्री पार्थ जीत दास	35 बच्चों ने भाग लिया।
11	01.01.2016	नव वर्ष का आयोजन	53 सदस्य बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
12	01.01.2016 से 07.01.2016	आमोद दिवस	ज.बा.भ. मांडी के 53 बच्चों व बा.के. के 50 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों के साथ भाग लिया।

दिल्ली में बाल भवन केन्द्र

ज़ोन	बाल भवन क्रेन्दों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	11
कुल	**48**

ऐसे बच्चों की बढ़ती आवश्यकताओं और मांग को देखते हुए, जो किसी न किसी कारण के चलते बाल भवन तक पहुँच पाने में कठिनाई महसूस करते हैं, दिल्ली के विभिन्न भागों में बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के दूर-सुदूर क्षेत्रों में बच्चों को उनके द्वार पर सृजनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करते हैं। वर्ष 2015-16 में 1075 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल सभा कार्यक्रम में भाग लिया। सी.एच.जी. बाल केन्द्र के 50 बच्चों तथा बालिका गृह व बाल निकेतन के 90 बच्चों ने 29 जुलाई, 2015 और 22 अगस्त, 2015 को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में भाग लिया। ग्रीष्म उत्सव के दौरान 9784 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया एवं गतिविधियों में भी भाग लिया।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली

1. राजा राम मोहन राय
सर्वोदय कन्या विद्यालय
हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
नई दिल्ली-110017

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
हुमायूँपुर गाँव
नई दिल्ली-110029

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सब्ज़ी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
कालकाजी, नई दिल्ली-110019

4 चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

5 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
जी - ब्लॉक कृष्णा मार्किट, गुरूद्वारा के सामने
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

6 देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल, नई दिल्ली-110022

7 केन्द्रीय विद्यालय
एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस
कुतुब होटल के सामने, दिल्ली–110026

8 केन्दीय विद्यालय
आई.आई.टी. गेट, दिल्ली–110030

9 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर–9, आर.के. पुरम, दिल्ली–110022

10 योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय
सैक्टर–5, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली–110062

11 गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली–110076

12 प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली–110002

पश्चिमी दिल्ली

1 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी, आदर्श नगर पार्क), दिल्ली–110033
सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110027

2 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बरार स्क्वेयर, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली–110064

3 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
दिल्ली–110092

4 गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बंग्ला साहिब के सामने)
नई दिल्ली–110001

5 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली

6 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली–110005

7 एम. सी. आदर्श स्कूल
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

8 सर्वोदया कन्या विद्यालय
डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी, दिल्ली–110018

9 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क–2, गली नं. 12
जल बोर्ड के समीप, दिल्ली–110033

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008

11 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली–110064

12 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली–110006

उत्तरी दिल्ली

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई–ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली–110033

2 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली–110072

3 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी–7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली– 110035

4 बाल सहयोग भवन डिसपेंसरी
ई–ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली

5 ग्रामीण महिला सिलाई संघ
पल्ला डी.टी.सी. बस स्टाप के समीप
दिल्ली–110036

6 गवर्मेंट को–एजूकेशनल सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर–2, रोहिणी, दिल्ली–110085

7 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–7, नाहर पुर
दिल्ली–110085

8 एम.सी. बालिका विद्यालय
बी.टी. ब्लॉक, समीप सिंगलपुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली

9 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कॉलोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली–110052

10 नगर निगम प्रतिभा विकास विद्यालय
निमड़ी कॉलोनी, निमड़ी कॉलोनी बस स्टाप के पास, दिल्ली

11 नवोदया विद्यालय
मुंगेशपुर, कुतुबगढ़ गाँव के समीप
नई दिल्ली–110039

12 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस. रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली–110081

13 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–11, दिल्ली–110085

पूर्वी दिल्ली

1 गवर्मेंट सर्वोदय सीनियर सैकेण्ड्री को–एजूकेशन विद्यालय
आनन्द विहार रेलवे स्टेशन आनन्द विहार
दिल्ली–110092

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली–110032

3 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली–110032

4 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप
ढक्का गाँव, दिल्ली–110009

5 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई–ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर
दिल्ली–110051

6 सर्वोदय गवर्मेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली

7 राजेन्द्र आश्रम (डी.पार्क के समीप)
एस–160, पाण्डव नगर, दिल्ली–110092

8 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, पॉकेट–सी
मयूर विहार, फेस–II, बस स्टॉप के पास
दिल्ली–110091

9 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी–ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली–110094

10 प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं. 4, सूरजमल विहार, दिल्ली–110092

11 बाल विकास विद्यालय
त्रिलोक पुरी
बी–ब्लॉक, त्रिलोकपुरी
चाँद सिनेमा के पास, दिल्ली

बाल भवन केन्द्र के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

बाल भवन केन्द्र के अनुदेशकों के लिए 23 जून, 2015 से 27 जून, 2015 तक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली के 48 बाल भवन केन्द्रों के 100 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इनमें निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन किया गया।

क्र.सं.	गतिविधि	पद्धति	अवधि
1	विभिन्न गतिविधियों में पाठ्यक्रम रूपरेखा का विकास	सामूहिक कार्य	1 दिन
2	पुर्नविलोकन (कला समन्वित अध्ययन)	व्याख्यान एवं प्रदर्शन	½ दिन (1½ घण्टा)
3	संगीत/नृत्य बच्चों के लिए – क्यों और कैसे	व्याख्यान एवं प्रदर्शन	½ दिन (1½ घण्टा)
4	(क) स्टॉक रजिस्टरों का रख-रखाव (ख) मासिक/तिमाही रिर्पोटें तैयार करना	परिचर्चा प्रदर्शन	½ दिन (1½ घण्टा)
5	विविध क्षमता के बच्चों के साथ बर्ताव/संव्यवहार	परिचर्चा नाट्य प्रस्तुति	½ दिन (1½ घण्टा)
6	'प्लास्टिक का निषेध'/पर्यावरण हितैषी गतिविधियाँ/स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	परिचर्चा	½ दिन (1½ घण्टा)
7	मुखौटा बनाना, ओरिगामी	प्रदर्शन/व्यावहारिक कार्य संचालन	½ दिन (1½ घण्टा)
8	खेल, खिलौने एवं सजावट की वस्तुओं के निर्माण के लिए व्यर्थ सामग्री का उपयोग	प्रदर्शन/व्यावहारिक कार्य संचालन	½ दिन (1½ घण्टा)
9	अनुदेशकों द्वारा विचारों का आदान-प्रदान	प्रस्तुतियाँ	½ दिन (1½ घण्टा)

- श्रीमती पवन सुधीर, निदेशक, आर्ट एप्रिशिएशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित किया गया।
- प्रशिक्षण एवं कार्यशाला सफलतापूर्वक संचालित की गई।
- बाल भवन केन्द्र के अध्यापकों ने निष्कर्ष के रूप में पाठ्यक्रम विकसित किया।

राज्य बाल भवन एवं बाल केन्द्रों की निरीक्षण रिपोर्ट

यह निर्णय लिया गया है कि ऐसे बाल भवन/बाल केन्द्रों को, जो आवर्ती अनुदान प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें वर्ष 2015–16 का अगला अनुदान संवितरित करने से पहले उनका दौरा किया जाए। योजना के अनुसार, श्रीमती मंजीत कोगी, परामर्शदाता (सी एण्ड आर) तथा श्री आर.के. वाधवा, प्रभारी अधिकारी ने जनवरी, 2016 माह में चरण–1 में छः बाल भवन/बाल केन्द्रों का दौरा किया। इस टीम ने निम्नलिखित बाल केन्द्रों का दौरा किया :–

- सरस बाल केन्द्र, जयपुर
- गोडावन बाल केन्द्र, जयपुर
- आदिवासी बाल केन्द्र, गाजीपुर
- उन्नयन बाल केन्द्र, इलाहाबाद
- परमसुख आदिवासी, कोरांव, इलाहाबाद
- गिरवासी वनवासी सेवा प्रकल्प, सोनभद्र

समस्त क्षेत्रों में निरीक्षण के उपरान्त उनके सभी कागजातों और दस्तावेजों की जांच की गई, जो दुरूस्त पाये गए। गाजीपुर बाल केन्द्र मुख्य रूप से चार गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं जिनमें पेंटिंग, सिलाई, संगीत और कम्प्यूटर हैं। उनके यहाँ विज्ञान वाटिका और कुछेक शारीरिक गतिविधियाँ भी हैं। निरीक्षण के दौरान गतिविधियाँ जारी रहीं और टीम द्वारा निरीक्षण करके सदस्य बच्चों व उनके अनुदेशकों के साथ विचार–विमर्श किया। लड़कियों ने एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

सिफारिशें

सदस्य बच्चों और उनके अनुदेशकों के साथ बातचीत के उपरान्त यह महसूस किया गया कि विभिन्न बाल केन्द्रों के सभी सदस्य बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों के लिए नियमित कार्यशालाओं की परम आवश्यकता है और इन्हें राष्ट्रीय बाल भवन में संचालित किया जाना चाहिए। इससे उन्हें आत्मविश्वास मिलेगा और राष्ट्रीय बाल भवन के सीखने के स्थान से उनकी पहचान बनेगी। खाली समय के दौरान जब बच्चे बाल भवन नहीं आते, विभिन्न गतिविधियों के अनुदेशकों को उनमें गतिविधि अनुदेशक तथा सदस्य बच्चों को प्रशिक्षित करने के लिए सप्ताह पर्यन्त कार्यशाला के लिए इन बाल केन्द्रों में भेजा जाना चाहिए। इस प्रकार हम उनकी गतिविधियों का पर्यवेक्षण और तद्नुसार उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं और इसके साथ ही ये बाल भवन/बाल केन्द्र राष्ट्रीय बाल भवन की टीम के साथ निरन्तर सम्पर्क में रहेगें।

इन बाल भवनों के निदेशकों के साथ विचार–विमर्श के उपरान्त यह महसूस किया गया कि इन बाल केन्द्रों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले अनुदान को प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह में वितरित किया जाना चाहिए ताकि वे वर्षपर्यन्त अपनी गतिविधियों को सुचारू रूप से जारी रख सकें और मार्च में उन्हें चाहिए कि वे राशि खर्च करने सम्बंधी प्रमाण पत्र और अन्य संगत दस्तावेज भिजवा दें ताकि अप्रैल/मई के महीने में नई अग्रिम अनुदान की स्वीकृति दी जा सके।

राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को दी गई सहायता

वर्ष 2015-16 के दौरान बाल केन्द्रों को दी गई सहायता (योजनेत्तर आवर्ती)

क्र.सं.	बाल भवन/बाल केन्द्र का नाम	राशि (रूपये)
1.	सरस बाल केन्द्र, जयपुर	₹ 300,000.00
2.	गोडावन बाल केन्द्र, जयपुर	₹ 300,000.00
3.	ट्राईबल बाल केन्द्र, (गाजीपुर)	₹ 300,000.00
4.	उन्नयन बाल केन्द्र, इलाहाबाद	₹ 300,000.00
5.	परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र, इलाहाबाद	₹ 300,000.00
6.	गिरवासी वनवासी सेवा प्रकल्प - सोनभद्रा	₹ 300,000.00
7.	बाल भवन बोर्ड सिलवासा - डप्पादा बाल केन्द्र	₹ 300,000.00
8.	बाल भवन बोर्ड सिलवासा - खानवेल बाल केन्द्र	₹ 300,000.00

वर्ष 2015-16 के दौरान राज्य बाल भवनों को दी गई सहायता (अनावर्ती)

क्र.सं.	बाल भवन/बाल केन्द्र का नाम	परियोजना प्रस्ताव हेतु जारी अनुदान	धनराशि (रूपये)
1.	अभिनव बाल भवन, भोपाल	संगीत अनुभाग वाद्ययंत्र	₹ 4,43,000.00
2.	बाल भवन, यूनिटी चिल्ड्रन अकादमी सिरसी, मुरादाबाद	कम्प्यूटर कक्ष	₹ 3,61,000.00
3.	बाल भवन कानपुर	1. दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण 2. शारीरिक शिक्षा केन्द्र 3. सिलाई एफ.डी. केन्द्र	₹ 7,46,880.00
4.	झारखण्ड राज्य बाल भवन, रांची	1. कम्प्यूटर लैब 2. स्टिल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी	₹ 7,56,000.00
5.	जवाहर शिशु भवन, कोलकत्ता	दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	₹ 7,75,050,00
	कुल योग		**₹ 30,81,930.00**

देश भर में बाल भवनों और बाल केन्द्रों की संख्या एवं अवस्थिति दर्शाने वाला मानचित्र

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवनों ने वर्ष पर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया

बाल भवन, जयपुर

- ध्यान केन्द्रित करने एवं उन्नत दक्षता के विकास के लिए 14 अप्रैल, 2015 को ओरिगामी सत्र का आयोजन किया गया।
- 22 और 23 अप्रैल, 2015 को माटी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें मिट्टी के मॉडल, पोस्टर, बर्तन बनाना, मिट्टी का औषधीय प्रयोग जैसी विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।
- बच्चों को नशे की लत से बचाने और दूसरी ओर नशे की आदत छोड़ने के उद्देश्य से 1 से 31 मई, 2015 तक तम्बाकू निषेध अभियान मनाया गया, जिसमें तम्बाकू अभियान से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, पोस्टर, कविता पाठ जैसे कार्यक्रम रखे गऐ।
- बच्चों को बापू की शिक्षाओं से अवगत कराने के दृष्टिगत गांधी जयन्ती पर "बापू की गोद में तीन दिन" कार्यक्रम संचालित किया गया। संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के लिए तीन "आर" (घटाना, पुर्नउपयोग, पुनःसृजन) पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- केन्द्रीय महिला कारागार, जयपुर के बाल कैदियों के साथ दीपावली का पर्व मनाया गया। बाल भवन के बच्चों ने जेल परिसर को सजाया और उनके बीच खेल उपस्कर, मिठाईयों का वितरण किया। 14 नवम्बर, 2015 को बाल दिवस का आयोजन किया गया।
- संतोखबा दुर्लभजी मैमोरियल अस्पताल के सहयोग से 22 सितम्बर, 2015 को दन्त जांच शिविर लगाया गया। बच्चों को दांतों की साफ-सफाई के बारे में शिक्षित किया गया।
- 26 से 28 दिसम्बर, 2015 तक तीन दिवसीय आवासीय "मैत्री मेला" शिविर लगाया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के 120 बच्चों ने एक साथ आकर प्रकृति की गोद में 3 दिन तक मौज मस्ती के साथ गुजारे।
- 3 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय बाल श्री पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया और हमारे 2 बच्चों को पुरस्कार मिला।

गरवारे बाल भवन, औरंगाबाद

- सृजनात्मक कला एवं निष्पादन कला के लिए 15 अप्रैल, 2015 को विशेष ग्रीष्म शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 936 बच्चों ने भाग लिया।

- थियेटर, छायांकन, ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, दीया थाली सजाना विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- होली उत्सव के लिए प्राकृतिक रंगों के निर्माण के लिए 2 और 3 मार्च, 2015 को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 70 बच्चों ने भाग लिया।
- जिला पार्षद छात्रों के लिए संयुक्त रूप से एड्स के प्रति जागरूकता को लेकर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें 200 बच्चों ने भाग लिया।
- सृजनात्मक राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम में चार छात्रों और एक एस्कार्ट ने भाग लिया।
- 8 से 14 फरवरी, 2015 तक सूर्य नमस्कार विषय पर सामूहिक रूप से 1500 छात्रों ने भाग लिया।
- 21 फरवरी, 2016 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

विद्या बाल भवन, हासन, जिला कर्नाटक

- नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने की दृष्टि से 'अन्धता की रोकथाम' सप्ताह का आयोजन किया गया।
- अम्बेडकर जयंती, विश्व विरासत दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व पुस्तक दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस, दुग्ध दिवस, पर्यावरण दिवस, पशु दिवस, विश्व शांति दिवस, विश्व समुद्र दिवस, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अंगीकार दिवस, सद्भावना दिवस, शिक्षक दिवस, विश्व साक्षरता दिवस, हिन्दी दिवस, गांधी जयंती, विश्व खाद्यान्न दिवस, बाल दिवस, बाल अधिकार दिवस, राष्ट्रीय ऊर्जा अनुरक्षण दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, सुभाष चन्द्र बोस का जन्म दिवस, राष्ट्रीय बालिका दिवस, गणतन्त्र दिवस, शहीदी दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, विश्व दिव्याँग दिवस तथा विश्व जल दिवस का आयोजन किया गया।

बाल भवन बोर्ड, दमन

- बाल मेलों का आयोजन किया गया एवं डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रृद्धांजलि देने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई।
- कला और शिल्प, नृत्य, संगीत, नाटक, चैस, योग आदि विषयों पर ग्रीष्मकालीन शिविर में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- समस्त ग्रीष्मकालीन कक्षाओं के छात्रों द्वारा विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- द्वितीय राष्ट्रीय चैस चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें 219 बच्चों ने भाग लिया।
- 5 दिवसीय नारियल पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें पूजा थाली, व्यर्थ सामग्री का सर्वोत्तम उपयोग, खाना-खजाना आदि जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- तबला साम्राज्ञी श्रीमती रिम्पा सिवा द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन किया गया।
- 7 सितम्बर, 2015 को दही-हाण्डी का आयोजन किया गया।
- 29 सितम्बर, 2015 को बाल श्री स्थानीय स्तर का चयन शिविर लगाया गया और 31 अक्तूबर, 2015 एवं 1 नवम्बर, 2015 को राज्य स्तरीय बाल श्री चयन शिविर का आयोजन किया गया।
- गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे सभी महत्वपूर्ण दिवसों का शानो-शौकत से आयोजन किया गया।
- 18 जनवरी, 2016 को पतंग उत्सव मनाया गया।

बाल भवन, कानपुर

- कृत्तिका मिश्रा को सृजनात्मक लेखन में बाल श्री 2012 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बाल भवन ने बच्चों को अग्नि शमन तकनीकी, आपदा प्रबन्धन, साँप के काटने पर उपाय आदि का प्रशिक्षण दिया।
- बाल भवन में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम, पुस्तकालय, प्राथमिक शिक्षा, वाद्य संगीत, सिलाई, कढ़ाई, फैशन डिजायनिंग, योग प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस, स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया।
- लड़कियों के लिए मेहंदी रचाने के लिए कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया।
- पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर 4 दिवसीय बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया।
- 15 मई, 2015 से ग्रीष्म शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 2750 बच्चों ने भाग लिया।

अनुभूति बाल भवन, बेंगलुरू

- वाद्य संगीत, चित्रकला, पेंटिंग और कला जैसी नियमित गतिविधियों का संचालन किया गया।
- बच्चों ने चेहरे पर पेंटिंग, मुखौटा बनाने, अंग्रेजी ओलम्पियाड, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, टाटा सरल लेखन, केन केन प्रश्नोत्तरी कार्यशालाओं में भाग लिया एवं राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशीप (मुम्बई में), गणित ओलम्पियाड के आयोजन में भाग लिया।
- वन महोत्सव मनाया गया, जिसके दौरान बच्चों ने 100 पौधे लगाए।
- बड़े पैमाने पर अभिभावक दिवस मनाया गया।
- पेंसिल स्केचिंग की कक्षायें लगाई गई।

अमरोहा बाल भवन, अमरोहा

- नियमित गतिविधियों का संचालन किया गया : 30 बच्चों ने पेंटिंग कार्यक्रम में भाग लिया, 40 बच्चों ने कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं 30 बच्चों ने संगीत प्रशिक्षण में भाग लिया।
- कबड्डी, फुटबाल और वॉलीबाल जैसी आऊट डोर गेम्स तथा चैस, कैरम आदि जैसी इन्डोर गतिविधियाँ संचालित की गई।
- लड़कियों के लिए सुई और कढ़ाई, ड्रेस तथा साफ्ट खिलौने बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

श्री स्वामीनारायण बाल भवन

- इस बाल भवन का मुख्य उद्देश्य संगीत, कला और शिल्प, गायन, कम्प्यूटर शिक्षा, नृत्य और नाटक आदि के माध्यम से आदिवासी बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं विरासत की जानकारी व उनमें जागरूकता लाना है।

- बाल भवन ने सृजनात्मक एवं निष्पादन कला की नियमित गतिविधियों का संचालन किया।
- संस्था में महत्त्वपूर्ण दिवसों पर उत्सव व त्यौहारों का आयोजन किया गया।

बाल भवन, कब्बन पार्क, बेंगलुरू

- बाल भवन ने पेंटिंग, शिल्प, क्ले मॉडलिंग, नृत्य, सुगम संगीत, गिटार, तबला, एअरो मॉडलिंग, बाटिक मैजिक, छायांकन आदि जैसी सभी निष्पादन एवं सृजनात्मक कला की नियमित गतिविधियों का संचालन किया।
- रंग रूचि थिएटर के बैनर तले 5-16 वर्ष के बच्चों के लिए गतिविधियाँ संचालित की गई।
- केन्द्रीय बाल भवन, जय नगर में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 400 बच्चों ने भाग लिया।
- 15 अगस्त, 2015 से फरवरी, 2016 तक बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बालवेदिका का आयोजन किया गया और बच्चों को सम्मानित करने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए सूचक नकद राशि पुरस्कार के रूप में वितरित की गई।
- महिला एवं बाल कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा पहली बार बाल दिवस के अवसर पर बाल उत्सव एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- 4 अक्तूबर, 2015 को स्थानीय बाल श्री चयन शिविर एवं जनवरी, 2016 में स्थानीय स्तर के बाल श्री चयन शिविर का आयोजन किया गया।

अमित बाल भवन, फिरोज़ाबाद

- बेसिक कम्प्यूटर और अंकण, सड़क सुरक्षा उपाय, संगीत, पेंटिंग, गुड़िया बनाना, विश्व साक्षरता दिवस, हिन्दी दिवस, सामाजिक न्याय दिवस, विश्व पर्यटक दिवस, सेरामिक कार्य, ज्वैलरी बनाने सम्बंधी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- विश्व जन संस्था दिवस, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अंगीकार दिवस, विश्व शांति दिवस, स्वतंत्रता दिवस, सद्भावना दिवस, राष्ट्रीय रक्त दान दिवस, राष्ट्रीय खेल कूद दिवस, परिवहन दिवस, राष्ट्रीय पक्षी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस, राष्ट्रीय जनसंख्या संकल्प दिवस, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया।
- चाचा नेहरू सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें पतंग बनाना, ग्रीटिंग कार्ड बनाना, कार्टून, टॉक शो, नृत्य प्रस्तुति तथा लोक गीत जैसी गतिविधियों का संचालन किया गया।
- बाल भवन का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम को रोकना तथा कांच उद्योग के श्रमिकों को अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। बाल श्रमिक (जो 500 डिग्री तापमान में काम करते हैं) को इस वातावरण में होने वाले रोगों से शिक्षित करना ताकि वे अपना बचाव कर सकें।

बाल भवन, कोटकपूरा

- सभी महत्त्वपूर्ण दिवसों जैसे 6 अगस्त, 2015 को हिरोशिमा दिवस, 5 सितम्बर, 2015 को शिक्षक दिवस तथा जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। 7 सितम्बर, 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया।
- गणतन्त्र दिवस, गांधी जयन्ती जैसे सभी राष्ट्रीय दिवसों को मनाया गया।

जिला बाल भवन, रीवा

- बाल भवन द्वारा कम्प्यूटर, इन्डोर खेल तथा संगीत एवं नृत्य जैसी सृजनात्मक कला के साथ-साथ निष्पादन कलाओं के लिए कक्षाओं का आयोजन किया गया।
- चित्रकला, मूर्तिकला, पेंटिंग, स्केचिंग, शेडिंग, सिलाई-कढ़ाई की सृजनात्मक कला की गतिविधियाँ संचालित की गई। संगीत में बच्चों ने पवित्र त्यौहारों के लोक गीतों, मीरा बाई और सूरदास के भजन व बसंत पर्व के संगीत को सीखा।
- सभी महत्त्वपूर्ण दिवसों एवं दीपाली के दौरान शिल्प और रंगोली की कार्यशालायें संचालित की गई और बाल दिवस पर चित्रकला व पेंटिंग की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बाल भवन बोर्ड, दीव

- अरन्य पर्व - 2015 (राष्ट्रीय आदिवासी कला उत्सव) - पश्चिम जोन सांस्कृतिक केन्द्र - उदयपुर के सहयोग से इस उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त भारत के 140 कलाकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- रास गरबा कार्यशाला - 2015 : पश्चिम जोन सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के सहयोग से बाल भवन दीव द्वारा 5 अक्तूबर से 9 अक्तूबर, 2015 तक दीव में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 40 छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।
- सांस्कृतिक एकीकरण शिविर, 2015 का आयोजन 24 से 26 नवम्बर, 2015 तक सम्पन्न हुआ।
- फिएस्टा डे दीव (एशिया का समुद्र पर आयोजित सबसे लम्बा उत्सव) 1 सितम्बर, 2015 से 15 फरवरी, 2016 तक आयोजित हुआ। इस समूचे उत्सव के दौरान पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के सहयोग से बाल भवन बोर्ड, दीव द्वारा सिद्दी धमाल, कालबेलिया, ढाल तलवार, डांडिया, मेवासी आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- दीव मुक्ति दिवस - 2015 : दीव मुक्ति दिवस के अवसर पर 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' उद्देश्य से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार - दीव जिले के 65 छात्रों ने अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।
- गणतन्त्र दिवस - 2016 : गणतन्त्र दिवस के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- मालाला ऑडिटोरियम, दीव के उद्घाटन समारोह के अवसर पर 5 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

झारखण्ड राज्य बाल भवन, रांची

- आदिवासी एवं सांस्कृतिक नृत्य, छायांकन, आदिवासी पेंटिंग, कला एवं शिल्प, कठपुतली प्रदर्शन, साक्षरता गतिविधियाँ और नाटक की गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- बाल भवन ने बाल उत्वस, पर्यावरण सम्मेलन, प्रदर्शनी और प्रतिस्पर्धा, एकीकरण शिविर का आयोजन किया।

- सरला बिरला पब्लिक स्कूल में बाल श्री प्रतियोगिता 2015–16 का आयोजन किया गया जिसमें 4 श्रेणियों में 10–16 आयु वर्ग के 300 बच्चों ने भाग लिया।
- बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता का सृजन किया गया।
- सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं त्यौहारों को शान और शौकत से मनाया गया।

शिशु विहार बाल भवन भावनगर, गुजरात

- बाल भवन में 12 अक्तूबर, 2016 को 600 बच्चों के लिए बाल भोजन का आयोजन किया। 13 से 19 अक्तूबर, 2015 तक नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया जिसमें 47 बच्चों ने भाग लिया और नृत्य, नाटक गीत प्रस्तुत किए।
- कम्प्यूटर की कक्षायें नियमित रूप से आयोजित की गई।
- बच्चों की जीवनोपयोगी दक्षता की शिक्षा व प्रशिक्षण दिया गया। सृजनात्मक कला के अन्तर्गत कार्ड बनाना और पेपर बैग निर्माण सिखाया गया।
- 200 बच्चों को आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया गया।
- गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस आदि जैसे राष्ट्रीय उत्सव मनाए गए।
- 19 सितम्बर, 2015 को पेंटिंग और शिल्प प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 203 बच्चों ने पेंटिंग और 75 बच्चों ने शिल्प गतिविधियों में भाग लिया।

राज्य जवाहर बाल भवन, भुवनेश्वर

- बाल भवन में कम्प्यूटर केन्द्र, विज्ञान वाटिका, बाल वाटिका, मछली घर, चलता-फिरता बाल पुस्तकालय तथा बाल संग्रहालय मौजूद हैं, जहाँ बच्चे वर्ष पर्यन्त विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं।
- बाल भवन के बाल संग्रहालय में खिलौने एवं गुड़ियाओं का संग्रह है और बच्चे अपनी रूचि के अनुसार खिलौनों का चयन कर सकते हैं।
- बच्चों के साथ समस्त महत्त्वपूर्ण दिवसों एवं उत्सवों का आयोजन किया गया।
- बच्चों को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण दिया गया।
- वाद्य संगीत एवं शास्त्रीय व लोक नृत्य की कार्यशालायें आयोजित की गई।
- मुखौटा और कठपुतली बनाने के लिए गतिविधियाँ संचालित की गई।
- सृजनात्मक लेखन और क्ले मॉडलिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जवाहर बाल भवन, थ्रीशूर

- संगीत, नृत्य, क्ले मॉडलिंग, चित्रकला, हस्त-शिल्प, मैजिक, वायलिन, गिटार, तबला, मृदंग, नाटक आदि जैसी विधाओं तथा अन्य रोचक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- अप्रैल और मई, 2015 माह में ग्रीष्म शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 1300 छात्रों ने भाग लिया।

श्री एन.के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन, नादियाड (गुजरात)

- विज्ञान प्रश्नोत्तरी, पृथ्वी दिवस, बाल सभा, संगीत-संध्या, राष्ट्रीय फोटोग्राफी पर सेमिनार, शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।
- मधुबनी कला पर 1 और 2 जून, 2015 को चित्रकला कार्यशाला आयोजित की गई।
- मॉडल बनाने की प्रतियोगिता, कहानी वाचन, रंगोली सजाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1 सितम्बर, 2015 को राखी बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। 2 नवम्बर, 2015 को कठपुतली कार्यशाला एवं शो का आयोजन किया गया।
- गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती एवं सभी त्यौहार बच्चों के साथ मनाए गए।

जिला जवाहर बाल भवन, केन्द्रपाडा (ओडिशा)

- बाल भवन द्वारा कला, विज्ञान, सृजनात्मक लेखन, निष्पादन कला आदि विधाओं में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- 11 मई से 8 जून, 2015 को सृजनात्मक कला पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 150 बच्चों ने भाग लिया। 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें 150 बच्चों ने भाग लिया। केन्द्रपाडा में 23 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2015 तक युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। 11 नवम्बर, 2015 को रंगोली प्रतियोगिता में 25 बच्चों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण सभा में आठ बच्चों ने भाग लिया।
- बाल भवन में कठपुतली कला की कक्षायें आयोजित की गई, जिसमें धागा कठपुतली, रोड कठपुतली, ग्लव कठपुतली, फिंगर कठपुतली, पेपर कठपुतली, शैडो कठपुतली, मॉडर्न कठपुतली का ज्ञान दिया गया।
- शास्त्रीय नृत्य, ओडिसी नृत्य, लोक नृत्य, पार्श्व गायन, सृजनात्मक एवं थिएटर शिल्प, संगीत-कंठ एवं शास्त्रीय गायन की गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- विज्ञान, रेडियो, इलैक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण शिक्षा की गतिविधियाँ भी संचालित की गई।
- बच्चों ने कम्पयूटर, क्ले मॉडलिंग, पेंटिंग, निडल क्राफ्ट, सिलाई, जिल्दसाजी तथा फोटोग्राफी की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।
- 25 शिक्षकों को डी.जे.बी.बी (जिला जवाहर बाल भवन) में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

श्री महात्मा गांधी बाल भवन, पोरबन्दर

- 15 अप्रैल, 2015 को नाटक प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 360 बच्चों ने भाग लिया। विश्व स्वास्थ्य दिवस, फिल्म शो, विज्ञान गतिविधि को आयोजित किया गया।
- 15 जून, 2015 को 40 बच्चों ने बॉयोटेक लेब का दौरा किया।
- सभी महत्त्वपूर्ण दिवसों पर बच्चों के साथ उत्सव आयोजित किए गये।
- जुलाई - नवम्बर, 2015 तक विज्ञान जागरूकता, पक्षी निहारने और पहचान, ओरिगामी कार्यशाला आयोजित की गई।

- बाल भवन के सभी बच्चों द्वारा 15 जुलाई, 2015 को विश्व योग दिवस मनाया गया।
- 2 फरवरी, 2015 को विश्व वेटलैण्ड दिवस मनाया गया।

बाल भवन, अमरेली (गुजरात)

- नए अध्यक्ष के स्वागत में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कठपुतली प्रदर्शन का कार्यक्रम संचालित हुआ।
- संगीत की कक्षायें नियमित रूप से आयोजित की गयी।
- वर्ष पर्यन्त विभिन्न प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक कला के कार्यक्रम आयोजित किये गए।
- ऊर्जा उत्सव, पर्यावरण दिवस, विज्ञान गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं उत्सव मनाए गए।

साईं बाल भवन, औरंगाबाद

- 10 से 28 मई, 2015 तक ग्रीष्म शिविर आयोजित किया गया। ग्रीष्म शिविर के दौरान विज्ञान, संगीत, नृत्य और चित्रकला कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ग्रीष्म अवकाश होने के फलस्वरूप अन्य स्कूलों तथा औरंगाबाद के आस-पास कस्बों के बच्चों ने भी शिविर में भाग लिया।
- 7 से 14 जून, 2015 तक बच्चों ने पास के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। ये भ्रमण अजन्ता, एलोरा, औरंगाबाद गुफाओं तथा शिरडी के लिए आयोजित हुए। इन भ्रमणों से बच्चों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता में सुधार हुआ।
- रविवार - 26 जुलाई, 2015 को बच्चों एवं अभिभावकों की सामान्य बैठक हुई। बाल भवन के स्टाफ के बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच स्वस्थ विचार-विमर्श हुआ। बच्चों ने अपने अनुभव बांटे और बाल भवन की गतिविधियों में शामिल होने के उपरान्त हुए लाभ को व्यक्त किया। कुछ अभिभावकों ने गतिविधियों के संबंध में सुझाव भी दिए।
- 10 से 11 अगस्त, 2015 तक गुरू पूर्णिमा के लिए छात्रों का नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें करीब 150 बच्चों ने भाग लिया और अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा।
- एक चित्रकला प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी लगाई गई।
- 10 बच्चों ने नई दिल्ली में आयोजित बाल एकीकरण सभा में भाग लिया।
- 6 और 7 दिसम्बर, 2015 को खेल कूद दिवस मनाया गया।
- 7 फरवरी, 2016 को स्वच्छ भारत कार्यक्रम आयोजित हुआ, स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के लिए बच्चों ने तौर-तरीकों को लेकर परस्पर विचार-विमर्श किया और स्वच्छता की शपथ भी ली।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं उत्सव आयोजित किए गए।

यूनिक बाल भवन, समस्तीपुर

- यूनिक बाल भवन ने बच्चों के लिए कम्प्यूटर, पेंटिंग, हस्तशिल्प, बांस शिल्प, मूर्तिकला आदि गतिविधियों का आयोजन किया।
- बच्चों ने पुस्तकालय की विभिन्न पुस्तकों के साथ-साथ चलता-फिरता पुस्तकालय का भी आनन्द उठाया।
- विश्व पर्यावरण दिवस और विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।
- बाल भवन द्वारा बच्चों के लिए विभूतिपुर पुलिस स्टेशन के माध्यम से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं उत्सव आयोजित किए गए।

जवाहर बाल भवन, इलाहाबाद

- जवाहर बाल भवन द्वारा संगीत, हस्तशिल्प, नृत्य, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, नाटक, टैकवोंडो तथा वाद्य संगीत जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन हुआ।
- 27 जून, 2015 को वार्षिक प्रदर्शनी लगाई गई।
- जुलाई-अगस्त, 2015 माह में ढोलक/हार्मोनियम/नृत्य कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- 5 अगस्त से 9 अगस्त, 2015 तक बच्चों के लिए आपदा प्रबन्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 31 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2015 तक राज्य बाल श्री चयन शिविर का आयोजन किया गया।
- 14 नवम्बर, 2015 को बाल उत्सव का आयोजन किया गया तथा दिसम्बर, 2015 में नव वर्ष कार्ड बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित हुई।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं उत्सव आयोजित किए गए।

जवाहर बाल भवन, तुलसी नगर, भोपाल

- जवाहर बाल भवन ने संगीत, नृत्य, विज्ञान, सिलाई और कढ़ाई, पेंटिंग, नाटक, हस्तशिल्प, मूर्तिकला, खेलकूद, कम्प्यूटर, आधुनिक संगीत, आधुनिक कला आदि विषयक गतिविधियाँ संचालित की।
- नई दिल्ली में 3 फरवरी, 2016 को आयोजित बाल श्री पुरस्कारों के लिए दो बच्चों को नामांकित किया गया।
- सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं त्यौहार बच्चों के साथ मनाए गए।

आदिवासी बाल केन्द्र, गाज़ीपुर

- आदिवासी बाल केन्द्र द्वारा कढ़ाई और सिलाई, जिल्दसाजी, वृक्षारोपण, फूलों से बीजों का संग्रहण जैसी गतिविधियों का संचालन किया गया।

- बच्चों को 15 से 16 जून, 2015 को काष्ठ कला एवं योग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- सृजनात्मक लेखन और निबन्ध लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस एवं त्यौहार मनाए गए।

झारखण्ड राज्य बाल भवन

- झारखण्ड राज्य बाल भवन द्वारा मॉडल निर्माण, बाल उत्सव, फोटोग्राफी, आदिवासी पेंटिंग, कला और शिल्प, कठपुतली, साक्षरता, नाटक आदि जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- बाल भवन के बच्चों के लिए एकीकरण शिविर और पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 18 अक्तूबर, 2015 को सरला बिरला पब्लिक स्कूल में बाल श्री शिविर लगाया गया, जिसमें चार श्रेणियों में 18 अक्तूबर, 2015 को तकरीबन 300 बच्चों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली में 31 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2015 को संचालित राष्ट्रीय बाल श्री के लिए 4 बच्चों का चयन किया गया।
- यातायात और सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।
- बच्चों के साथ सभी महत्त्वपूर्ण दिवस व त्यौहार मनाए गए।

भारत में संबंद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020 (ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   ई-मेल : jyotiramayee2000@yahoo.co.in

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759001, (ओडिशा)
   ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 0385-2448532, मोबाईल नं. (0)8794611546

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, ई-मेल : mail2cf@gmail.com

8. आशा-लता बाल भवन
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिज़ोरम

10. बाल भवन
मिज़ोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं0 वाई/ए-46, मिज़ोरम सरकार, सामाजिक अधिकारिता विभाग
मिज़ोरम सरकार, आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन "किलकारी"
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661295, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
रन बाय यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

13. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

14. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

16. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

17. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

18. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र) ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

19. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : gcccidco@gmail.com

20. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन
बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

गुजरात

21. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंडस, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

22. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

23. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

24. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

25. बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात)
फोन नं.: 079-23210477, ई-मेल : balbhavangn18@gmail.com

26. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

27. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस, छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, फैक्स नं. 0286-2240791, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

28. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851

29. बाल भवन
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय कैम्पस, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात)
ई-मेल : nileshkumarpathak@yahoo.com

30. सरदार पटेल बाल भवन
सामने मिल रोड आरटीओ, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196

31. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंखर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात)
फोन नं.: 078-2470523, ई-मेल : privij64mehta@gmail.com

32. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

33. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालानपाडा, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

34. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 फैक्स : 0832-2223001
ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

35. बाल भवन जयपुर
508, अंजनी मार्ग, हनुमान नगर, एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

36. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग
गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
ई-मेल : pvms525@gmail.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

37. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा इंडियन कांउसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार
चंडीगढ़-160023 (हरियाणा) मो. 09780300625 कार्या0: 01722337093

हरियाणा

38. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 मोबाईल : 09896890315
ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

39. बाल भवन
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

40. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

41. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 0124-4886050-90, ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

42. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

43. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

44. बाल भवन
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

पंजाब

45. बाल भवन
    सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल
    बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
    फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

46. जम्मू बाल भवन
    87-पंजीतिरथी, जम्मू-18001(जम्मू व कश्मीर)
    ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

47. शांति निकेतन बाल भवन
    गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार
    जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर), ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

48. कश्मीर बाल भवन
    मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर, सौपोर कश्मीर-193201
    फोन नं: 01954-223507, मो. 09419039827
    ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

49. आर्च बाल भवन
    एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
    ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

50. बाल भवन
    द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
    फोन नं. : 01372-252381, 253300,
    ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

51. आधारशिला बाल भवन
    पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश), पिन-176102
    फोन : 09218606017, निवास : 09218506018, ई-मेल : kherrk@hotmail.com

52. आवर ओन बाल भवन
    शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
    फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

53. बाल भवन
कॉलेज रोड़ गड़वाल, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09441255177

54. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलेक्टोरेट पोस्ट ऑफिस, जिला चित्तूर, आंध्र प्रदेश-517001
फोन नं. : 09440315924 ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

55. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

56. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

57. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयलमपडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा, कृष्णा जिला- 500011 (आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436, कार्यालय-9989911160

58. चाचा नेहरू बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

59. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं0 ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन- 508202
फोन नं. : 08680-276622

60. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, जी-3, सूर्या किरन अपार्टमेंट, पैलेस लेआउट, पेडावालटेर, विशाखापटनम-530017, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 0891-2732171, ई-मेल : vcspbalbhavan@yahoo.in

61. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, श्रीहरिकोटा-524124 (आंध्र प्रदेश)
फैक्स नं 08623-225123, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

62. नेल्लोर बाल भवन
120, द्वारका टावर, टेकेमिट्टा, नेल्लोर -524003 (आंध्र प्रदेश)
ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

63. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर - 517501 (आंध्र प्रदेश) फोन नं.: 917723445, 08897393736, ई-मेल : dbbtpt@gmail.com

64. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद

कर्नाटक

65. बाल भवन सोसाइटी
कुब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक)
फोन नं.: 080-22864189, मो. 9341052284, ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

66. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलूरू-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238, ई-मेल : manjularaman@gmail.com

67. नतनम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 फैक्स नं 08182-277251, ई-मेल : manjuk821@gmail.com

68. माउंटेन व्यू बाल भवन
विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140, मो. 9611967170, ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

69. बाल भवन
एन 13/28 जोसफ नगर, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228, ई-मेल : rpssagara@gmail.com

70. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन, बनवारा, आरसिकेरे-तालुक हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709, ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com

71. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 09060300196, 9448914794, ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

72. जवाहर बाल भवन
चेम्बुक्कवु, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2370560, 2332909, ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

73. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन नं.: 0474-2741711, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

74. जवाहर बाल भवन
पैलेस वर्ल्ड, अल्पुझा-6880011 (केरल) फोन नं.: 0477-2260622

75. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन, पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन नं.: 0471-2316477, ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

76. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु, पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन नं. 0472-2872344, ई-मेल : rangaprabhath@yahoo.com

77. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कलारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन नं.: 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

78. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन नं. : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

79. जवाहर बाल भवन
सरकारी सगील कालेज कैंपस, ग्रीनवेज रोड, चेन्नई-600004 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186

80. जवाहर बाल भवन
सिंधरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक , पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाड)

81. जवाहर बाल भवन
व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)

82. जवाहर बाल भवन
नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन नं. : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

83. जवाहर बाल भवन
तिरूमति लक्ष्मीलोकनाथन, आरकोट, जिला वेलोर (तमिलनाडु)

84. जवाहर बाल भवन
तिरूवनमलय, तमिलनाडु

85. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, शारदा कॉलेज रोड, फेयरलैंड पोस्ट-सेलम-636016 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 0427-2443594, 2330021

86. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु)

87. जवाहर बाल भवन
सम्पत नगर, ईरोड, (तमिलनाडु)

88. जवाहर बाल भवन
उथगामंडलम, (तमिलनाडु)

89. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, त्रिचुरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन नं.: 0431-2423122 मो. 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जिला जवाहर बाल भवन
करूर-639001 (तमिलनाडु)

91. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु) फोन नं.: 04362-30121

92. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)

93. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुयीरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु)

94. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन नं. : 0452-22661795 मो. 09842761765
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन
नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561

96. जवाहर बाल भवन
अली नगराम, थेनी(तमिलनाडु)
फोन नं. : 0452-22661795 मो. 09842761765
ई-मेल :artandculture@tngovt.in

97. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट,
एन.जी.ओ.ए. कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन नं. : 04651-281622, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु)

99. जवाहर बाल भवन
नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

संघशासित क्षेत्र

100. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन नं. 0413-2225751, 2207206, 2207201, ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

101. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0512.2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

102. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0532-2467078, मो. 09335411450, ई-मेल : jlnmfald@dataone.in

103. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05446248280, ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

104. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी. फिरोज गाँधी, थर्मल पावर प्रोजेक्ट, डाकघर, ऊँचाहार,
जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05311-232430 मो. 09871094763, ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

105. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष: 9838335726, 05414-236762, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

106. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

107. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, टाउनशिप, सै.-33, विद्युत नगर, जिला- गौतमबुध नगर-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0120-2805846 मो. 9871864951/9650994626, ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

108. बाल भवन
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05922-259665, 094110071882

109. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
मो. 09411431912, ई-मेल : kingshabih@gmail.com

110. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

111. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), स्टेडियम मध्य प्रदेश सरकार,
129, मयूर नगर, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश) ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

112. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, इंदौर-452001(मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0731-2576332 मो. 09826816863, ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

113. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 9479756905

114. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 07582-230221, मो. 09425096898, ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

115. जवाहर बाल भवन
1250-II स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

116. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) मो. 9753589295, ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

117. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) मो. 98930-08817

118. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 07662-254379

छत्तीसगढ़

119. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन नं.: 07762-227001, मो. 9303451988, ई-मेल : shishir.sinha@jspl.com

31.03.2016 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती अनामिका सिंह, उपसचिव, म.सं.वि.मं. (रा.बा.भ. में निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधुरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान)

ग्रुप ख

5. डॉ. रश्मि शर्मा, क्यूरेटर (संग्रहालय)
6. श्री राजेन्द्र कुमार वधवा, प्रभारी अधिकारी (फोटोग्राफी)
7. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)

ग्रुप ग

8. श्री राजीव गुप्ता, सहायक लेखा अधिकारी
9. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
10. श्री एस. एन. शर्मा, सुरक्षा अधिकारी व केयरटेकर
11. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
12. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक
13. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
14. श्रीमती परमिंदर बासु चौधुरी, कार्यक्रम संयोजक
15. श्री अश्विनी कुमार भट्ट, संयोजक (आविष्कारक क्लब)
16. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
17. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
18. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
19. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)

20. श्री जगदीप सिंह बेदी, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
21. श्री रहमत खान लंगा, कलाकार (प्रदर्शन कला)
22. श्री भगवती प्रसाद पाण्डेय, कलाकार (प्रदर्शन कला)
23. श्री चन्द्रमणि, कलाकार (प्रदर्शन कला)
24. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
25. श्री मोती लाल, कनिष्ठ मॉडलर
26. श्री मेहताब हुसैन, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)
27. श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिट्टी)
28. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाजी)
29. श्री जय प्रकाश तँवर, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)
30. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
31. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
32. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
33. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
34. श्रीमती उषा किरण बरूआ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
35. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
36. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ कलाकार (जूडो)
37. श्री ओ. पी. शर्मा, कलाकार
38. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
39. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
40. श्री सतीश पारचा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.-उच्च ग्रेड)
41. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
42. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
43. श्री चमन लाल, उ.श्रे.लिपिक
44. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे.लिपिक
45. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे.लिपिक
46. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे.लिपिक
47. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे.लिपिक
48. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे.लिपिक
49. श्री गोपाल राम आर्या, नि.श्रे.लिपिक
50. श्रीमती विनोद सांगवान, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)

51. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)

52. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन

53. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन व इलैक्ट्रीशियन

54. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन

55. श्री सुनील कुमार, चालक

56. श्री बृज कुमार, चालक

57. श्री हर्ष मणि सेमवाल, चालक

58. श्री प्रदीप भट्ट, चालक

59. श्री आर. के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक

60. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक

61. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन, हॉस्टल

62. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

63. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

64. सुश्री निधि सरियाल, कनिष्ठ खोजबीन सहायक (संग्रहालय)

रख-रखाव विभाग (ग्रुप डी)

65. श्री राम सिंह साही, रसोईया

66. श्री स्वरूप राम, बस कंडक्टर व क्लीनर

67. श्री गैंदा राम, माली

68. श्री रमेश कुमार, माली

69. श्री सुरेन्द्र सिंह, माली

70. श्री रति राम, माली

71. श्री साहब सिंह मीना, माली

72. श्री जय राम, माली

73. श्री सुखदेव, चपरासी

74. श्री रमेश प्रसाद यादव, चपरासी

75. श्री प्रेम सिंह साही, चपरासी

76. श्रीमती गीता साही, चपरासी

77. श्री जगदीश चन्द्र, चपरासी

78, श्री सुधीर कुमार, चपरासी

79. श्री मुन्ना लाल, मददगार

80. श्री जसवंत सिंह सैनी, मैदान रक्षक

81. श्री महेश कुमार, मैदान रक्षक
82. श्री कैलाश चन्द, अनुभाग परिचारक
83. श्री गोविंद सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक
84. श्री नेत्र सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक
85. श्री राम दीन, अनुभाग परिचारक
86. श्री राम विनोद सिंह, अनुभाग परिचारक
87. श्री तारकेश्वर गोंद, अनुभाग परिचारक
88. श्री मोहन सिंह सैनी, बेलदार
89. श्री लायक सिंह, बेलदार
90. श्री राम दुलारे, बेलदार
91. श्री महादेव, बेलदार
92. श्री कँवर भान, चौकीदार
93. श्री मोहन लाल, चौकीदार
94. श्री डूँगर सिंह, चौकीदार
95. श्री अशोक कुमार तोमर, चौकीदार
96. श्री धनपाल सिंह, चौकीदार
97. श्री जय चंद, चौकीदार
98. श्री हरेन्दर सिंह, चौकीदार
99. श्री दुर्गा प्रसाद, चौकीदार
100. श्री महिन्द्र सिंह, चौकीदार
101. श्री उमेश कुमार, चौकीदार
102. श्री किशन लाल, सफाई कर्मचारी
103. श्री बिल्लू, सफाई कर्मचारी
104. श्री बिशन स्वरूप, सफाई कर्मचारी
105. श्रीमती किरन देवी, सफाई कर्मचारी
106. श्री दास, सफाई कर्मचारी
107. श्री होरी लाल, सफाई कर्मचारी
108. श्री नितिन, सफाई कर्मचारी
109. श्रीमती अनुराधा, सफाई कर्मचारी
110. श्री बाबू लाल मीना, सफाई कर्मचारी

भाग ख

वार्षिक लेखा
2015-16

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,

प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2016 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB)**, कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रकृति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षों की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2016** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कृते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 30.06.2016

Delhi Office : 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi-92, Tel.: +91(11)43632552
Dehradun Office : Lane No. 9, Turner Road, Clement Town, Dehradun-248002
Email : singhchhabraco@gmail.com Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2016 को तुलनपत्र

राशि रूपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2015-16	2014-15
समग्र/पूंजी निधि	1	(4619,45,178,03)	(3766,99,419.15)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835.00	2,50,835.00
ऋण देयता		-	92,427.00
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	6192,59,427.00	5065,00,415.21
कुल		**1575,65,083.97**	**1301,44,258.06**

पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	574,85,292.28	554,78,638.06
मूर्त परिसंपत्तियां			
अमूर्त परिसंपत्तियां			
पूंजी गत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	-	-
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	141,03,803.33	75,02,598.00
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	859,75,988.36	671,63,022.00
कुल		**1575,65,083.97**	**1301,44,258.06**
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

गुरदीप कौर

तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रूपयों में

विवरण	अनुसूची	2015-16	2014-15
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	-	15,98,947.00
अनुदान/सब्सिडी	10	1777,48,961.00	1460,97,993.00
निवेश से आय	11		
अर्जित ब्याज	12	11,73,898.33	12,62,286.00
अन्य आय	13	2,64,131.00	3,53,372.00
गत अवधि की आय	14	26,47,244.00	2,17,771.00
कुल (क)		**1818,34,234.33**	**1495,30,369.00**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	782,20,098.40	2910,38,286.00
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10		
शैक्षिक व्यय	16	103,68,543.00	103,73,544.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	391,07,200.00	242,98,981.00
परिवहन व्यय	18	5,10,846.00	1,90,018.00
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	11,07,326.39	12,90,580.61
वित्त लागत	20	-	-
मूल्य ह्रास	4	47,84,157.41	58,18,113.66
अन्य व्यय	21	89,270.00	6,308.00
गत अवधि के व्यय	22	18,31,943.00	59,46,588.00
कुल (ख)		**1360,19,384.20**	**3389,68,419.87**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष (क-ख)		**458,14,850.13**	**(1894,32,050.87)**
अभिहित निधियों से/को अंतरण			
भवन निधि			
अन्य (निर्दिष्ट करें)			
संचयित जमा		-	839,27,995.28
सेवानिवृति हितलाभ		1376,65,648.00	3078,97,753.00
अधिक/(कमी) होने के कारण समग्र पूंजी निधि में ले जाया गया शेष		(918,50,797.87)	(5812,57,799.15)
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

तैयार किया गया | जांच किया गया | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

प्राप्तियां	2015-16 योजनागत	2015-16 योजनेत्तर	2015-16 कुल	2014-15
I. आरंभिक शेष				
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	13,400	4,935	18,335	8,759
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	70,59,941	46,237	71,06,178	77,79,113
II. प्राप्त अनुदान भारत सरकार से				
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से				
- पूंजीगत व्यय के लिए	137,00,000	-	137,00,000	99,10,000
- राजस्व व्यय के लिए	836,54,000	870,00,000	1706,54,000	1377,90,000
(यदि पूंजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान उपलब्ध हैं तो अलग-अलग दिखाया जाए।)				
III. शैक्षिक प्राप्तियां			-	15,91,319
IV. विविध देनदार			-	2,50,040
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	28,759	-	28,759	
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय				
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज				
क. बैंक जमा पर				
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	19,345		19,345	10,440
ग. बचत बैंक खाते पर	10,18,346	1,36,207	11,54,553	12,62,286
VIII. अन्य आय	10,000	16,089	26,089	86,115
XI. जमा एवं अग्रिम				
प्रतिभूति जमा	25,750	400	26,150	1,80,000
अग्रिम की वसूली	-	1,13,541	1,13,541	28,33,998
कार्य निष्पादन गारण्टी	66,870	-	66,870	
कुल	**1055,96,411**	**873,17,409**	**1929,13,820**	**1617,02,070**

अदायगियां	2015-16 योजनागत	2015-16 योजनेत्तर	2015-16 कुल	2014-15
I. व्यय				
क. स्थापना व्यय	189,14,094		189,14,094	343,52,546
- वेतन एवं भत्ते	-	518,00,187	518,00,187	
- अन्य व्यय	-	30,18,317	30,18,317	
ख. शैक्षिक व्यय	103,68,543		103,68,543	9,66,961
ग. प्रशासनिक व्यय	365,05,447	24,34,349	389,39,796	80,11,094
ध. परिवहन व्यय	4,88,228	22,618	5,10,846	1,90,018
ड. मरम्मत एवं रखरखाव	8,71,375	2,15,913	10,87,288	6,89,676
च. पूर्व अवधि के व्यय	13,85,531	14,351	13,99,882	8,74,125
छ. अन्य व्यय	20,665	3,273	23,938	6,308
II. प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	11,21,930	-	11,21,930	102,38,171
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यो पर व्यय	48,85,968	60,406	49,46,374	
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)				
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान				
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	1,56,801	78,093	2,34,894	285,59,630
शुल्क एवं कर	-	14,69,619	14,69,619	143,69,436
देय सामान्य व्यय	1,02,071	235,63,525	236,65,596	487,89,715
देय वेतन व्यय		41,67,691	41,67,691	
V. जमा एवं अग्रिम	80,56,663	4,63,288	85,19,951	75,29,877
VI. पूंजीगत व्यय हेतू अग्रिम	89,99,156		89,99,156	
VII. अंतिम शेष				
क. नकद शेष (एच.क्यू.)			-	18,335
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	137,19,939	5,779	137,25,718	71,06,178
कुल	**1055,96,411**	**873,17,409**	**1929,13,820**	**1617,02,070**

गुरदीप कौर	[signature]	मुकेश गुप्ता	[signature]
तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रूपयों में

विवरण	2015-16	2014-15
वर्ष के आरंभ में शेष	(3766,99,419.15)	2029,56,373.00
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में अंशदान	-	
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	66,05,039.00	16,02,007.00
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	-	-
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	-	-
जोडें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	-	-
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	-	-
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	(918,50,797.87)	(5812,57,799.15)
कुल	(4619,45,178.03)	(3766,99,419.15)
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा		
वर्ष के अंत में शेष	**(4619,45,178.03)**	**(3766,99,419.15)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रूपयों में

विवरण		कुल	
	एंडोमेंट निधि	2015-16	2014-15
क			
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835.00	2,50,835.00	2,50,835.00
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन			
ग. निधि से किये गये निवेश से आय			
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज			
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज			
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)			
कुल (क)	**2,50,835.00**	**2,50,835.00**	**2,50,835.00**
ख.			
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय			
i. पूंजीगत व्यय			
ii. राजस्व व्यय			
कुल (ख)		-	
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835.00	2,50,835.00	2,50,835.00
प्रस्तुत की गई			
नकद तथा बैंक शेष निवेश पर प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं			
कुल	**2,50,835.00**	**2,50,835.00**	**2,50,835.00**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रूपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
क. वर्तमान देयताएं				
1. कर्मचारियों से जमा				
2. विद्यार्थियों से जमा				
3. विविध लेनदार	26,79,649.00	1,39,049.00	20,40,661.00	4,14,009.61
क. आर ओ से			-	-
ख. अन्य	19,48,606.00	92,055.00	20,40,661.00	4,14,009.61
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	7,31,043.00	46,994.00	7,78,037.00	7,46,494.00
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	-	11,02,391.00	11,02,391.00	12,15,929.00
क. अतिदेय	-	-	-	-
ख. अन्य	-	11,02,391.00	11,02,391.00	12,15,929.00
6. अन्य वर्तमान देयताएं	69,520.00	45,87,478.00	46,56,998.00	52,22,120.60
क. वेतन	-	33,57,338.00	33,57,338.00	52,17,509.00
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां			-	
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां			-	
घ. अप्रयुक्त अनुदान			-	
ड. अग्रिम अनुदान			-	
च. अन्य निधियां			-	
छ. अन्य देयताएं	69,520.00	12,30,140.00	12,99,660.00	4,611.60
कुल (क)	**27,49,169.00**	**58,28,918.00**	**85,78,087.00**	**75,98,553.21**
ख. उपबन्ध				
1. कराधान के लिए			-	
2. उपदान	-	446,24,797.00	446,24,797.00	394,21,390.00
3. अधिवर्षिता पेंशन	-	5338,22,231.00	5338,22,231.00	4316,26,087.00
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	-	322,34,312.00	322,34,312.00	278,54,385.00
5. ट्रेड वारंटियां/दावे			-	
6. व्यय हेतु प्रावधान			-	
कुल (ख)	**-**	**6106,81,340.00**	**6106,81,340.00**	**4989,01,862.00**
कुल (क + ख)			**6192,59,427.00**	**5065,00,415.21**

अनुसूची-4 – अचल परिसंत्तियां

31.03.2016 की परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास अनुसूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+उपहार मदें	**01.04.15 की स्थिति**	**परिवर्धन**	**लोप**	**31.03.16 की स्थिति**	**31.03.15 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**लोप**	**31.03.16 को संचित ह्रास**	**31.03.16 की स्थिति**	**31.03.15 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	887,09,638.11			887,09,638.11	412,97,447.10	17,74,193.00		430,71,640.10	456,37,998.01	474,12,191.01
ट्यूबवैल	7,30,212.00			7,30,212.00	4,35,036.70	14,604.00		4,49,640.70	2,80,571.30	2,95,175.30
विद्युतीय संस्थापन	99,71,155.13	22,40,638.00		122,11,793.13	77,35,126.52	4,26,721.79		81,61,848.31	40,49,944.82	22,36,029.00
सयंत्र एवं मशीनरी	3,83,326.50			3,83,326.50	3,31,447.13	19,167.00	–	3,50,614.13	32,712.37	51,879.37
वैज्ञानिक उपकरण	10,49,736.52	78,285.00		11,28,021.52	10,34,894.65	20,479.72		10,55,374.37	72,647.15	14,842.00
कार्यालय उपकरण	24,08,160.05	75,411.00	1,62,400.00	23,21,171.05	20,68,509.39	1,59,871.60	94,068.00	21,34,312.99	1,86,858.06	3,39,651.00
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	38,58,928.03	10,60,729.00		49,19,657.03	33,64,392.00	2,67,244.48		36,31,636.48	12,88,020.55	4,94,536.00
वाहन	39,36,219.99		3,54,998.00	35,81,221.99	39,36,213.99	1.00	3,54,997.00	35,81,217.99	4.00	5.00
पुस्तकें	9,66,514.00	20,826.00	3,659.00	9,83,681.00	8,49,157.35	99,532.00	3,659.00	9,45,030.35	38,650.65	1,17,356.65
फर्नीचर और फिक्सचर	146,83,615.81	99,115.00		147,82,730.81	142,77,997.97	40,703.65		143,18,701.62	4,64,029.19	4,05,618.00
कम्प्यूटर	58,27,873.00	28,75,361.00		87,03,234.00	53,63,892.36	17,26,517.55		70,90,409.91	16,12,824.09	4,63,981.00
विविध	81,94,436.97	50,000.00		82,44,436.97	75,92,580.93	99,360.80	2,54,104.47	74,37,837.26	8,06,599.71	6,01,856.00
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ		9,134.00		9,134.00		9,134.00		9,134.00	–	
	1407,19,816.11	**65,09,499.00**	**5,21,057.00**	**1467,08,258.11**	**882,86,696.09**	**46,57,530.59**	**7,06,828.47**	**922,37,398.21**	**544,70,859.9**	**524,33,120.33**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	36,25,178.22	–	–	36,25,178.22	8,81,210.64	72,504.00	–	9,53,714.64	26,71,463.58	27,43,967.58
विद्युतीय उपकरण	2,79,164.57			2,79,164.57	1,71,339.05	13,959.00		1,85,298.05	93,866.52	1,07,825.52
ट्यूबबेल	1,19,199.00	70,036.00		1,89,235.00	76,814.08	3,785.00		80,599.08	1,08,635.92	42,384.92
संयंत्र एवं मशीनरी	60,835.00	15,504.00		76,339.00	50,256.02	3,817.00		54,073.02	22,265.98	10,578.98
जिरोक्स मशीन-जवाहर बाल भवन	49,114.00	–	–	49,114.00	23,646.06	3,684.00	–	27,330.06	21,783.94	25,467.94
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846.00			1,64,846.00	1,14,084.82	12,364.00		1,26,448.82	38,397.18	50,761.18
फर्नीचर एवं फिक्सचर	1,87,604.74			1,87,604.74	1,31,503.38	10,221.82		1,41,725.20	45,879.54	56,101.00
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309.03	–	–	2,309.03	1,843.50	231.00	–	2,074.50	234.53	465.53
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128.18	–	–	1,128.18	621.47	113.00	–	734.47	393.71	506.71
विविध	15,552.15			15,552.15	8,092.67	778.00		8,870.67	6,681.48	7,459.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ		1,950.00		1,950.00		1,950.00		1,950.00	–	
कुल (जवाहर बाल भवन)	45,04,930.89	87,490.00	–	45,92,420.89	14,59,411.69	1,23,406.82	–	15,82,818.51	30,09,602.38	30,45,518.84
अदृश्य परिसंपत्तियाँ	**01.04.2015 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान खरीद**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2016 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2015 तक ह्रास**	**वर्ष 2015-16 के लिए ह्रास**	**कटोती/ समायोजन**	**कुल ह्रास**	**31.03.2016 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2015 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस		8,050.00		8,050.00		3,220.00		3,220.00	4,830.00	
जोड़	**1452,24,747.00**	**66,05,039.00**	**5,21,057.00**	**1513,08,729.00**	**897,46,107.77**	**47,84,157.41**	**7,06,828.47**	**938,23,436.72**	**574,85,292.28**	**554,78,639.17**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16	2014-15
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	0
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर और बंधपत्र	0	0
6. बैंकों में सावधि जमा	0	0
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	0	0
कुल	**0**	**0**

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16	2014-15
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	0
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर और बंधपत्र	0	0
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	0	0
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	0	196635
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	0	0
कुल	**0**	**196635**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
1. स्टॉक	**0**	**0**	**0**	**0**
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान			0	
ख. खुले उपकरण			0	
ग. प्रकाशन			0	
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान			0	
ड़. भवन निर्माण सामग्री			0	
च. विद्युत संबंधी सामान			0	
छ. लेखन सामग्री			0	
ज. जलापूर्ति सामग्री			0	
2. विविध देनदार	**353359**	**24726**	**378085**	**378085**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	353359	24726	378085	378085
ख. अन्य			0	
3. नकद तथा बैंक शेष	**0**	**0**	**0**	**18335**
क. नकद शेष (एच.क्यू.)			0	18335
ख. नकद शेष (आर.ओ.)			0	
क. अनुसूचित बैंकों में	**13719939**	**5779**	**13725718**	**7106178**
बचत खातों में	13719939.3	5779	13725718	7106178
सावधि जमा खातों में			0	
बचत खातों में			0	
ख. अनुसूचित बैंकों में (योजनेतर)	**0**	**0**	**0**	**0**
एच.क्यू. सहित बचत खाते पर			0	
आर.ओ. सहित बचत खाते पर			0	
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक पर प्रसंस्करण शुल्क खाते पर			0	
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर			0	
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर			0	
भारतीय स्टेट बैंक सीमैट एच.क्यू. पर			0	
आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ. खाते पर			0	
ग. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)	**0**	**0**	**0**	**0**
एच.क्यू. सहित बचत खाते पर			0	
आर.ओ. सहित बचत खाते पर			0	
कुल			**14103803**	**7502598**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)	0	153805	153805	159030
क. विविध अग्रिम		700	700	
ख. त्यौहार		153105	153105	159030
ग. चिकित्सा अग्रिम			0	
घ. अग्रदाय अग्रिम			0	
ड. अन्य (कम्प्यूटर)			0	
च. एल.टी.सी. अग्रिम			0	
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम(ब्याज सहित)	0	193313	193313	259127
क. वाहन ऋण		145468	145468	143899
ख. आवास ऋण			0	
ग. अन्य (कम्प्यूटर)		47845	47845	115228
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	85586416	17455	85603870	66719865
क. पूंजी खाते पर				
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	37800215		37800215	20890438
ख. आपूर्तिकर्ताओं को				
i डी.टी.सी. को अग्रिम	4079539		4079539	4079539
ii राज्यों को सहायता	34363677		34363677	32141461
iii खातों के मुख्य नियंत्रक को अग्रिम (आपूर्ति अनुभाग)			0	0
ग. अन्य पक्ष			0	
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	9341210	17455	9358664	9606652
ड. अन्य	1775		1775	1775
4. पूर्वदत्त व्यय	0	0	0	0
क. बीमा			0	
ख. अन्य व्यय			0	
5. अन्य	25000	0	25000	25000
क. टेलीफोन			0	
ख. लीज़/किराया			0	
ग. बिजली			0	
घ. अन्य (जमा)	25000		25000	25000
कुल			**85975988**	**67163022**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			0	
2. प्रवेश शुल्क			0	
3. नामांकन शुल्क			0	
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			0	
5. प्रयोगशाला शुल्क			0	
6. कला एवं शिल्प शुल्क			0	
7. पंजीकरण शुल्क			0	
8. पाठ्यक्रम शुल्क			0	
कुल (क)			**0**	
परीक्षाएं			0	
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			0	
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			0	
3. अंकपत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			0	
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			0	
कुल (ख)			**0**	
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			0	
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			0	
3. चिकित्सा शुल्क			0	
4. परिवहन शुल्क			0	
5. छात्रावास शुल्क			0	254600
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			0	
7. विविध			0	92807
कुल (ग)			**0**	**347407**
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			0	0
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			0	34500
3. अन्य			0	134210
कुल (घ)			**0**	**168710**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			0	0
2. सदस्यता शुल्क				1082830
कुल (ड)			**0**	**1082830**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ+ड.)			**0**	**1598947**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत			कुल योजनागत	योजनेत्तर		कुल योजनेत्तर	2015-16	2014-15
	मानव विकास संसाधन मंत्रालय				मानव विकास संसाधन मंत्रालय				
	सामान्य व पूंजी	एस.सी./एस.टी. विशेष योजना	उत्तरपूर्व हेतू विशेष योजना		वेतन	सामान्य	कुल		
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	640,44,000	321,04,000	12,06,000	973,54,000	550,00,000	320,00,000	870,00,000	1843,54,000	1477,00,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	65,37,703			65,37,703	–	67,336	67,336	66,05,039	16,02,007
जोड़ें : अप्रयूक्त अनुदान की वापसी				–	–	–	–	–	–
शेष	**575,06,297**	**321,04,000**	**12,06,000**	**908,16,297**	**550,00,000**	**319,32,664**	**869,32,664**	**1777,48,961**	**1460,97,993**
घटायें : प्रयुक्त राजस्व व्यय के लिए इस्तेमाल (ख)	–	–	–	–	–	–	–	–	–
शेष आय एवं व्यय खाते (ग) में ले जाया गया	**575,06,297**	**321,04,000**	**12,06,000**	**908,16,297**	**550,00,000**	**319,32,664**	**869,32,664**	**1777,48,961**	**1460,97,993**

अनुसूची–11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	निश्चित/एंडोमेंट		अन्य निवेश	
	2015–16	2014–15	2015–16	2014–15
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र				
2. सावधि जमा पर ब्याज				
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज				
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज				
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज				
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर				
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर				
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज				
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)				
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज				
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज				
5. अन्य (सी.पी.एफ.)				
कुल				
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि				
शेष	0	0	0	0

अनुसूची–12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2015–16	2014–15
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा	859303	912706
ख. एम.एस.जे.ई.	159043	152867
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	136207	196713
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	345	
ख. अन्य	19000	
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
कुल	**1173898**	**1262286**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
क. भूमि एवं भवन से आय				
1. छात्रावास कक्षों का किराया			-	
2. लाईसेंस शुल्क			-	
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क			-	
4. वसूले गये बिजली बिल			-	
5. वसूला गया जल शुल्क			-	
कुल			-	
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री		280.00	280.00	
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय			-	
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति			-	
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां			-	
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां			-	
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)			-	
कुल			-	
घ. अन्य				
1. परामर्शी सेवाओं से आय			-	
2. जनसूचना अधिकार शुल्क		1,539.00	1,539.00	
3. रॉयल्टी से आय			-	
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री			-	
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)			-	
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	28,759.00		28,759.00	
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां			-	
ख. निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां			-	
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान			-	
8. अन्य	10,000.00		10,000.00	3,526.00
9. गत अवधि की आय			-	
10. ट्राई (TRAI) से वसूली			-	76,387.00
11. कर्मचारियों से वसूली		1,46,528.00	1,46,528.00	
12. सामान्य वसूली		77,025.00	77,025.00	2,73,459.00
कुल			**2,63,851.00**	**3,53,372.00**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)			**2,64,131.00**	**3,53,372.00**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2015-16	2014-15
1. शैक्षिक प्राप्तियां				
2. निवेश से आय				
3. अर्जित ब्याज		32,731.00	32,731.00	2,06,521.00
4. अन्य आय	13,54,390.00	12,60,123.00	26,14,513.00	11,250.00
कुल	**13,54,390.00**	**12,92,854.00**	**26,47,244.00**	**2,17,771.00**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. वेतन एवं मजदूरी	18913334.00	17232985.00	36146319.00	17373529.00	19506563.00	36880092.00
ख. भत्ते एवं बोनस		37869608.00	37869608.00	0	37086835.00	37086835.00
ग. एल.टी.सी. सुविधा		54932.00	54932.00	0	74899.00	74899.00
उप-जोड़	**18913334.00**	**55157525.00**	**74070859.00**	**17373529.00**	**56668297.00**	**74041826.00**
घ. भविष्य निधि में योगदान		26224.00	26224.00	0	0	0
ड़. एनपीएस में योगदान		841461.00	841461.00	0	799277.00	799277.00
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	760.00	125074.00	125834.00	12000.00	5781.00	17781.00
छ. सेवानिवृत्ति लाभ		137491426.00	137491426.00	0	523139888.00	523139888.00
ज. चिकित्सा सुविधा		2577271.00	2577271.00	0	352506.00	352506.00
झ. संतान शिक्षा भत्ता		578449.00	578449.00	0	579762.00	579762.00
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता			0	0	0	0
ट. मानदेय			0	0	5000.00	5000.00
ठ. छुटी वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी अंशदान		174222.00	174222.00	0		
उप-जोड़	**760.00**	**141814127.40**	**141814887.40**	**12000.00**	**524882213.60**	**524894213.60**
जोड़	**18914094.00**	**196971652.40**	**215885746.40**	**17385529.00**	**581550510.60**	**598936039.60**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2015 को प्रारम्भिक शेष	431626087	39421390	27854385	**498901862**
ख. घटाये : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ	2119710	5790397	2642914	**10553021**
(ii) वर्ष के दौरान अदा मासिक पेंशन	15080074			**15080074**
(iii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण			78853	**78853**
उप जोड़	**17199784**	**5790397**	**2721767**	**25711948**
ग. 31.03.2016 को उपलब्ध शेष (क-ख)	414426303	33630993	25132618	**473189914**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2016 को अपेक्षित प्रावधान	**533822231**	**44624797**	**32234312**	**610681340**
ड. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	**119395928**	**10993804**	**7101694**	**137491426**

अनुसूची-16 – शैक्षिक आय

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. प्रयोगशाला व्यय		–	–	–	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना		–	–	4,06,550.00	–	4,06,550.00
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	72,59,832.00	–	72,59,832.00	62,83,238.00	–	62,83,238.00
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	34,000.00	–	34,000.00	23,350.00	–	23,350.00
ड. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा		–	–	26,350.00	–	26,350.00
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	29,46,202.00	–	29,46,202.00	31,76,590.00	–	31,76,590.00
छ. दाखिला व्यय		–	–	–	–	–
ज. दीक्षांत व्यय		–	–	–	–	–
झ. प्रकाशन		–	–	31,250.00	–	31,250.00
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा		–	–	–	–	–
ट. अभिदान व्यय		–	–	–	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	1,28,509.00	–	1,28,509.00	4,26,216.00	–	4,26,216.00
कुल	**103,68,543.00**	–	**103,68,543.00**	**103,73,544.00**	–	**103,73,544.00**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. आधारभूत संरचना						
क. बिजली	51,59,300.00	–	51,59,300.00	47,72,357.00	3,70,011.00	51,42,368.00
ख. जल शुल्क	4,06,672.00	2,07,574.00	6,14,246.00	–		–
ग. बीमा	–	340.00	340.00	–		–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	142,52,103.00	15,33,490.00	157,85,593.00	–		–
ड. चालू वाहन			–	–		–
ख. संचार				–		–
च. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	10,000.00	1,15,000.00	1,25,000.00	–	1,00,260.00	1,00,260.00
छ. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	1,13,705.00	1,95,789.00	3,09,494.00	14,544.00	2,61,620.00	2,61,620.00
ग. अन्य				–		–
ज. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	5,18,355.00	1,66,955.00	6,85,310.00	8,26,056.00	1,26,683.00	9,52,739.00
झ. यात्रा तथा परिवहन व्यय	48,609.00	31,393.00	80,002.00	15,593.00	.	15,593.00
ञ. सत्कार	17,605.00	25,478.00	43,083.00	1,29,672.00	4,030.00	1,33,702.00
ट. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	–	63,480.00	63,480.00	–		–
ठ. व्यवसायिक प्रभार	4,26,535.00	64,350.00	4,90,885.00	3,22,500.00	1,50,700.00	4,73,200.00
ड. विज्ञापन एवं प्रचार	6,86,439.00	–	6,86,439.00	2,90,200.00	87,342.00	3,77,542.00
ढ़. पत्रिकाएं एवं जरनल			–	–		–
ण. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार			–	–		–
त. गैर-अधिकारिक टी.ए/डी.ए.			–	–		–
थ. अधिकारिक टी.ए/डी.ए.	78,712.00	–	78,712.00	87,643.00	57,867.00	1,45,510.00
द. स्थानांतरण टी.ए/डी.ए. व्यय	–	16,307.00	16,307.00	–		–
ध. ई-गवर्नेंस व्यय			–	–		–
न. विविध कार्यालयी व्यय	1,96,005.00	27,752.00	2,23,757.00	3,84,524.00	1,52,503.00	9,21,156.00
प. बागवानी व्यय			–	–		–
फ. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	7,93,304.00		7,93,304.00	56,780.00	18,000.00	74,780.00
ब. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	88,72,994.00		88,72,994.00	57,50,016.00		57,50,016.00
भ. कार्यालयी व्यय	19,74,096.00		19,74,096.00	27,64,522.00		27,64,522.00
म. अतिथि गृह/आवास व्यय			–	–		–
य. आंतरिक प्राप्तियां व्यय			–	49,69,580.00		49,69,580.00
व. विद्यार्थी कल्याण व्यय	31,04,858.00		31,04,858.00	25,85,978.00		25,85,978.00
कुल	**366,59,292.00**	**24,47,908.00**	**391,07,200.00**	**229,69,965.00**	**13,29,016.00**	**242,98,981.00**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)						–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	46,768.00	20,200.00	66,968.00	64,190.00		64,190.00
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	1,786.00	–	1,786.00			–
ग. बीमा व्यय	–	2,418.00	2,418.00		2,061.00	2,061.00
घ. कार पार्किंग व्यय			–			–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन			–			–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय			–			–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	4,39,674.00	–	4,39,674.00	62,915.00	60,852.00	1,23,767.00
कुल	4,88,228.00	22,618.00	5,10,846.00	**1,27,105.00**	**62,913.00**	**1,90,018.00**

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. भवन	–	111687	111687	664601	160745	825346
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	135547	11794	147341		18371	18371
ग. संयत्र एवं मशीनरी	238912	43420	282332	1227	104705	105932
घ. कार्यालय उपकरण	233811	22265	256076	148537	53321	201858
ड. कम्प्यूटर			0		0	0
च. कार्यशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	14441	–	14441		0	0
छ. दृश्य श्रव्य उपकरण	51167	–	51167	41273	29552	70825
ज. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	19442	19223	38665	37049	0	37049
झ. जिल्दसाजी लागत			0		0	0
ञ. बागवानी	14345	7524	21869	24260	1500	25760
ट. भूमि (एस्टेट) अनुरक्षण	132956	–	132956	0	0	0
ठ. अन्य (मरम्मत)	50792	–	50792	5440	0	5440
कुल	**891413**	**215913**	**1107326**	**922387**	**368194**	**1290581**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. बैंक शुल्क			0			
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)			0			
कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	0	0	0	0	0	0
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	0	0	0	0	0	0
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	0	0	0	0	0	0
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	20665	3273	23938	5315	993	6308
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	65332	.	65332			
कुल	**85997**	**3273**	**89270**	**5315**	**993**	**6308**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2015-16			2014-15		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
1. स्थापना व्यय			0.00		4818991	4818991
2. शैक्षिक व्यय	103815.00	–	103815.00	233718		233718
3. प्रशासनिक व्यय	1224714.00	428457	1653171.00	328732	390108	718840
4. परिवहन व्यय			0.00			0
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	56892.00	17955.00	74847.00			0
6. अन्य व्यय	110.00		110.00	35440	139599	175039
कुल	**1385531.00**	**446412**	**1831943.00**	**597890**	**5348698**	**5946588**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2016 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2015-16	2014-15	परिसंपत्तियां	2015-16	2014-15
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	4,30,51,722	3,97,28,869
प्रारंभिक शेष	15,84,261	48,333	आई.डी.बी.आई. बैंक में सावधि जमा	–	36,94,339
व्यय पर आय की अधिकता	16,605	15,35,928	विजया बैंक में सावधि जमा	87,23,306	1,09,18,472
अंतिम शेष	**16,00,866**	**15,84,261**			
ऋण (देयताएं)			सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
सामान्य भविष्य निधि			जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
01.04.2015 को आरंभिक शेष	5,46,59,855	5,06,57,634	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	7,66,743	8,81,630
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन;	1,11,97,751	1,06,00,106			
जोड़ें : ब्याज	44,98,528	44,81,380	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	1,37,75,586	1,10,79,265	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**5,65,80,548**	**5,46,59,855**	बैंक खाते	64,75,364	18,28,523
			टी.डी.एस.	7,73,639	3,96,708
अंशदायी भविष्य निधि					
01.04.2015 को आरंभिक शेष	14,34,214	10,90,489			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	2,69,098	2,39,324			
जोड़ें : ब्याज	1,35,837	1,04,401			
घटाएं : आहरण					
अंत शेष	**18,39,149**	**14,34,214**			
कुल अग्रेनीत शेष	**6,00,20,563**	**5,76,78,330**		**6,00,20,563**	**5,76,78,330**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2015-16	2014-15	आय	2015-16	2014-15
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	44,98,528	44,81,380	सावधि जमा पर ब्याज	45,30,971	57,29,987
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	1,35,837	1,04,401	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,20,684	1,67,016
बैंक प्रभार	685	-	अन्य प्राप्तियां		2,24,706
व्यय पर आय की अधिकता	16,605	15,35,928			
कुल	**46,51,655**	**61,21,709**	**कुल**	**46,51,655**	**61,21,709**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	अदायगियां	2015-16	2014-15
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	18,28,523	15,91,744	जी.पी.एफ. से आहरण	1,36,72,174	1,07,55,114
			सी.पी.एफ से आहरण	-	
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**	-	
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	111,97,751	1,06,00,106	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	1,03,412	3,24,151
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	-	
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	2,43,000	2,14,000	बैंक प्रभार	685	
मंडल का अंशदान	26,098	25,324			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,20,684	1,67,016	निवेश		
मियादी जमा पर ब्याज	42,68,927	-	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	87,23,306	1,09,18,472
			आई.डी.बी.आई. बैंक में एफ.डी.आर.	-	
परिपक्व एफ.डी.आर.	-		केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	4,30,51,722	3,97,28,869
केनरा बैंक	3,97,28,869	3,97,28,869			
विजया बैंक	1,09,18,472	1,09,18,472			
आई.डी.बी.आई. बैंक	36,94,339	-			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टी.डी.एस. वापसी		3,09,598	बैंक	64,75,364	18,28,523
कुल	**7,20,26,663**	**6,35,55,129**	**कुल**	**7,20,26,663**	**6,35,55,129**

तैयार किया गया — जांच किया गया — उप-निदेशक (प्रशा.) — निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2016 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2015-16	2014-15	परिसंपत्तियां	2015-16	2014-15
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	8,12,657.00	7,74,725.00	बैंक शेष	1,35,430.00	8,12,657.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	(6,77,227.00)	37,932.00			
अंत: शेष	**1,35,430.00**	**8,12,657.00**			
कुल	**1,35,430.00**	**8,12,657.00**		**1,35,430.00**	**8,12,657.00**

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2015-16	2014-15	आय	2015-16	2014-15
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	81.00	17.00	केनरा बैंक से	32,744.00	33,817.00
एन.एस.डी.एल.	7,48,838.00	14,56,878.00			
			प्राप्त अंशदान		
			नियोक्ता (नीता) से	19,474.00	7,30,505.00
			कर्मचारियों से	19474.00	7,30,505.00
	.				
व्यय पर आय की अधिकता		37,932.00	आय पर व्यय की अधिकता	6,77,227.00	
कुल	**7,48,919.00**	**14,94,827.00**	**कुल**	**7,48,919.00**	**14,94,827.00**

तैयार किया गया   जांच किया गया   उप-निदेशक(प्रशा.)   निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	अदायगियां	2015-16	2014-15
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल. में अंतरण		
बैंक	8,12,657.00	7,74,725.00	पुराना शेष अंतरण	7,09,890.00	10,73,420.00
प्राप्त अंशदान			नया अंशदान	38,948.00	
कर्मचारियों (नीता) का अंशदान	19,474.00	5,38,776.00	बैंक प्रभार	81.00	17.00
नियोक्ता का अंशदान	19,474.00	5,38,776.00			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	32,744.00	33,817.00			
			अतिम शेष		
			बैंक	1,35,430.00	8,12,657.00
कुल	**8,84,349.00**	**18,86,094.00**	**कुल**	**8,84,349.00**	**18,86,094.00**

तैयार किया गया

जांच किया गया

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा योजनागत, योजनेतर, जी.पी.एफ. तथा एन.पी.एस. आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंर्तगत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।

2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।

3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 343.64 लाख रूपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2016 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।

4. 40.80 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान डी.टी.सी. को किया गया है (पिछले वर्ष 40.80 लाख) तथा 31 मार्च 2016 तक अनुसूची-8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) के अनुसार सी.पी.डब्ल्यू.डी. को 378.00 लाख रूपये का भुगतान किया गया है (पिछले वर्ष 208.90 लाख)।

5. विभिन्न बैंकों की मियादी जमा रसीदों पर 3,76,931/- की स्रोत पर आयकर कटौती की गई है और बहियों में इसकी गणना की गई है। इसकी वापसी के दावे के लिए आयकर विवरणी दाखिल की जानी चाहिए।

6. वर्तमान वर्ष के दौरान गत अवधि की आय (योजनेतर) के 12,92,854/- रुपये एवं गत अवधि व्यय के 13,54,390/- (योजनागत) तथा विगत अवधि व्यय 53,48,698/-(योजनेतर) रुपये को लेखाकरण पद्धति में बदलाव अर्थात् नकद आधार से प्रोद्‌भवन आधार में परिवर्तित होने पर बुक किया गया है।

7. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु एम.एस.जे.ई. के लिए 40,95,756/- रुपये की राशि (31 मार्च 2016 तक ब्याज सहित) प्राप्त हुई थी जो 31 मार्च 2016 तक अप्रयुक्त बकाया थी।

8. वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान 1,00,00,000/- रुपये की राशि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा एस.सी. एस.पी. योजना हेतु सहायता अनुदान तथा 53,50,000/- रुपये की राशि एस.टी.एस.पी. योजना के लिए सहायता अनुदान के रूप में संवितरित की गई थी।

9. वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान 12,06,000/- रुपये की राशि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र हेतु विशेष योजना के लिए तथा 1,13,44,000/- एससीएसपी की योजना हेतु सहायता अनुदान के रूप में अनुमोदित तथा संवितरित की गई थी।

10. वसूली योग्य अग्रिमों को संबंधित पक्ष/विभाग से अंतिम बिल/पावती प्राप्त होने पर लेखे के अंतिम शीर्ष में समायोजित कर दिया जाता है।

11. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

12. इस संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। इसीलिए इन लेखों में कर के लिए कोई उपबंध नहीं किया गया है।

13. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुनः समूहन किया गया है।

14. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

भाग ग

लेखा रिपोर्ट
2015-16

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

राष्ट्रीय बाल भवन के 30 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. हमने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की संलग्न 31 मार्च 2016 की स्थितिनुसार तुलन पत्र की लेखा-परीक्षा की है। यह लेखा परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखा पद्धतियों, लेखा मानकों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन प्रक्रिया पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्ग्रस्त हैं। विधि, नियम एवं विनियम (स्थिति एवं नियमन) तथा दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हों, के अनुपालन के सम्बंध में वित्तीय लेन-देन सम्बंधी लेखा परीक्षा टिप्पणियों को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से दिया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप संचालित की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि लेखा परीक्षा की हमारी योजना व कार्य निष्पादन इस आशय का युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरणियाँ सारवान मिथ्याकथन से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में नमूना आधार पर जाँच, राशि के अनुसमर्थन में साक्ष्य तथा वित्तीय विवरणियों का प्रकटीकरण शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन के सिद्धान्त तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए पर्याप्त प्राक्कलनों के साथ-साथ वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन सम्मिलित है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट करते हैं –

   (i) हमने इस रिपोर्ट में उल्लिखित को छोडकर, सभी जानकारी एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थीं।

   (ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ एवं भुगतान खातों को भारत सरकार, मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किया गया है।

   (iii) हमारी राय में, इस रिपोर्ट में टिप्पणियों के आध्याधीन समुचित लेखा बहियों तथा अन्य संगत रिकार्डों का, जहाँ तक ऐसी बहियों को हमारे द्वारा जाँच का सम्बंध है, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा रख-रखाव किया गया है।

   (iv) हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि –

**क.	तुलन पत्र**

**क.1	देयतायें**

क.1.1 वर्तमान देयतायें एवं प्रावधान (अनुसूची 3) – रु. 61.93 करोड़

उपरोक्त में 96.30 लाख रु. अप्रयुक्त अनुदान राशि (अपनी प्राप्तियों सहित) शामिल नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान देयताओं और प्रावधान में अल्प अंकन एवं पूंजीगत निधि में 96.30 लाख रु. का अधिक अंकन हुआ है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - रु. 5.75 करोड़

उपरोक्त 21.64 लाख रु. (2013-14 : रु.12.07 लाख तथा 2014-15 : रु. 9.57 लाख) राशि की स्थायी परिसम्पत्तियाँ शामिल नहीं हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्थायी परिसम्पत्तियों एवं पूंजीगत निधि में इसकी सम राशि का अल्प अंकन हुआ है।

ख जीपीएफ का तुलन पत्र

जीपीएफ का निवेश

वित्त मंत्रालय द्वारा नोटिफिकेशन एफ.सं.11/4/2013-पी.आर. दिनाँक 2.3.2015 द्वारा यथानिर्धारित पद्धति के अनुसार जीपीएफ का निवेश नहीं किया गया है।

ग. सामान्य

ग.1 लेखा परीक्षा के लिए प्रस्तुत किए गए खातें अधूरे थे, क्योंकि इनमें रा.बा.भ. द्वारा आन्तरिक प्राप्तिओं के लेखे शामिल नहीं हैं। जैसा कि रा.बा.भ. ने सूचित किया है, आन्तरिक प्राप्तियों के लेखे पृथक से रखे जा रहे हैं, जिन्हें न तो लेखा परीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाता है और न ही लेखों के सम्बंध में इनके बारे में कोई सन्दर्भ दिया गया है।

आन्तरिक रूप से निधि के सृजन के खाते रा.बा.भ. के लेखों का एक अभिन्न अंग हैं और चूँकि राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व वित्तीय स्थिति देने के दृष्टिगत सम्पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए।

लेखा परीक्षा के लिए मांग किए जाने पर राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा ये लेखे बाद में प्रस्तुत किए गए। आन्तरिक प्राप्ति खाते में 93.86 लाख रु. की कुल परिसम्पत्तियां एवं देयतायें, कुल प्राप्ति व भुगतान 99.46 लाख रु. तथा कुल आय और व्यय 51.53 लाख रु. है, जिनमें व्यय की अपेक्षा 40.91 लाख रु. की अतिरिक्त आय है, जिसे लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किया गया है और लेखा परीक्षा आन्तरिक लेखे पर अपनी राय व्यक्त करने में असमर्थ है।

ग.2 भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्ष में दर्शाया जाना चाहिए।

ग.3 राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों से निधि के उपयोग का प्रमाण पत्र प्राप्त न होने के फलस्वरूप 31.3.2016 की स्थितिनुसार राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों पर 343.64 लाख रु. के अग्रिम बकाया था। खातों को अंतिम रूप देने से पूर्व निधि उपयोग करने संबंधी प्रमाण पत्र तत्काल हासिल कर लेना चाहिए ताकि वर्ष के लिए व्यय को उस वर्ष में ही व्यय में आय और व्यय शीर्ष में लिए जा सकें और इन्हें खातों में अग्रिम के रूप में न दर्शाया जाए।

ग.4 मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निधि निर्धारित लेखों के फार्मेट के अनुसार योजना, गैर-योजना, अदृश्य परिसम्पत्तियों, पेटेंट और कापी राईट तथा अन्य परिसम्पत्तियों के बीच वर्गीकरण किया जाना है। राष्ट्रीय बाल भवन ने ऐसा नहीं किया है।

घ. अनुदान की राशि

राष्ट्रीय बाल भवन ने वर्ष 2015-16 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से रु. 1843.54 लाख अनुदान (योजना : रु. 973.51.00 लाख तथा गैर-योजना रु. 870.00 लाख) प्राप्त

किया। इसके पास पिछले वर्ष की 31.87 लाख रु. (योजनागत रु. 31.36 तथा योजनेत्तर : रु. 0.51 लाख) तथा आन्तरिक प्राप्ति रु. 12.76 लाख (योजनागत रु. 10.10 लाख तथा योजनेत्तर : रु. 2.66 लाख) अप्रयुक्त शेष राशि विद्यमान है। रु. 1888.17 लाख की कुल राशि में से राष्ट्रीय बाल भवन ने रु. 1791.87 का उपयोग (योजनागत रु. 918.76 लाख, और योजनेत्तर : रु. 873.11 लाख) किया और 96.30 लाख (योजनागत : रु. 96.94 तथा योजनेत्तर : रु. 0.06 लाख) की शेष राशि बची रही।

ड. प्रबन्धन पत्र

ऐसी कमियों, जिन्हें लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी एक प्रबन्धन पत्र के माध्यम से उनकी जानकारी में लाया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन, हम रिपोर्ट देते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियाँ व भुगतान खाता लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखांकन नीतियों तथा लेखा संबंधी नोटों और टिप्पणी सं. 1 एवं ऊपर उल्लिखित अन्य सटीक मामलों व इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित बातों के साथ पठित उपरोक्त वित्तीय विवरणियाँ सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं, जो भारत में प्राय: स्वीकार्य लेखांकन के सिद्धांतों के अनुरूप हैं –

क. जहाँ तक ये 31 मार्च, 2016 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन के मामलों की जानकारी का तुलन पत्र से संबंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि के समाप्त वर्ष के लिये आय एवं व्यय खाते के घाटे का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 2.2.2017

महानिदेशक लेखा
केन्द्रीय व्यय

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा

- राष्ट्रीय बाल भवन में इनका कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुअल भी नहीं है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणों के चलते अपर्याप्त है –

- राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को दिए गए अग्रिमों के संबंध में उनसे राशि उपयोग किये जाने के प्रमाण पत्र का न लिया जाना।
- डीटीसी और सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए अग्रिमों का क्रमशः 2002–03 तथा 2007–08 से समायोजन नहीं किया जाना।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्थायी परिसम्पत्तियों अर्थात फर्नीचर और फिक्चर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर एवं उपस्करों का भौतिक सत्यापन मार्च, 2016 तक किया गया है।

4. इन्वेन्टरी के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी तथा अन्य उपभोज्य मदों आदि का भौतिक सत्यापन मार्च, 2016 तक किया गया है।
- पुस्तक एवं प्रकाशन का भौतिक सत्यापन मार्च, 2016 तक किया गया है।

5. देयताओं के भुगतान की नियमितता

- लेखों के अनुसार 31.3.2016 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भुगतान 6 माह से ज्यादा बकाया नहीं है।

Disclaimer

‘‘प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।’